

अस्वीकरण

इस वेबसाइट पर होस्ट किए गए सुझाए उत्तर परीक्षा में छात्र के उत्तरों के मूल्यांकन का आधार नहीं बनते हैं। शिक्षा में छात्रों को उनकी सहायता करने की दृष्टि से ये उत्तर अध्ययन बोर्ड के संकाय द्वारा तैयार किए जाते हैं। जहाँ भी आवश्यक हो, वैकल्पिक उत्तरों को शामिल किया गया है। हालाँकि, इन उत्तरों को तैयार करते समय पूरी सावधानी बरती जाती है, फिर भी यदि कोई त्रुटि या चूक दिखाई देती है, तो उसे अध्ययन निदेशक के ध्यान में लाया जाएगा। यहाँ प्रकाशित उत्तरों की शुद्धता या अन्यथा के लिए संस्थान की परिषद किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं है।

इसके अतिरिक्त, ऐच्छिक (इलेक्टिव) पेपरों में, जोकि केस स्टडी पर आधारित होते हैं, के प्रश्नों में दिए गए तथ्यों या प्रश्नों में प्रयुक्त भाषा कुछ मान्यताओं/विचारों के आधार पर समाधान निकाला गया है। इसमें प्रयुक्त अनुमानों या लिए गए विचारों के आधार पर केस स्टडी के समाधान को अलग तरीके से हल करना संभव हो सकता है।

पेपर - 6F: बहुविषयक केस स्टडी

इस पेपर में पाँच केस स्टडी प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थियों को पाँच में से किन्हीं चार केस स्टडी के प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

आपके सभी क्रियाकलाप आपके उत्तर का हिस्सा होने चाहिए।

केस स्टडी - 1

2022-23 का आर्थिक सर्वेक्षण संसद में पेश कर दिया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, "हालाँकि, भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी से मुकाबला करने के बाद आगे बढ़ी है, वित्तीय वर्ष 22 में कई देशों की तुलना में पूरी तरह से सुधार हुआ है और खुद को वित्तीय क्षेत्र में महामारी-पूर्व विकास पथ पर चढ़ने के लिए तैयार किया है। वर्ष 23"। यह भी कहा गया है कि दुनिया भर की एजेंसियां वित्तीय वर्ष 23 में भारत को 6.50-7.0% की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में पेश कर रही हैं।

यह टीम (टुगेदर एवरीवन अचीव्स मोर) प्रयासों से संभव हो सका। इस टीम के प्रतिभागी केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, उद्योग और इस देश के लोग हैं।

सरकार की नीतियों में व्यापक बदलाव आया है। वर्तमान सरकार का जोर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने पर रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाले बनें। इसके परिणामस्वरूप देश के युवाओं को अपने उद्यमशीलता के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन और प्रोत्साहन मिला है

उद्यमशीलता के सपनों का ऐसा ही एक मामला मनु और तनु का है, दो दोस्त जो हमेशा अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद अपना खुद का व्यावसायिक उद्यम खोलने की इच्छा रखते थे। उन दोनों ने भारत के शीर्ष बिजनेस स्कूलों से एमबीए पूरा किया और बड़े वेतन पैकेज के साथ बड़े कॉर्पोरेट्स में काम कर रहे थे।

हालाँकि वे हमेशा व्यावसायिक विचारों को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन उनके रास्ते में ऐसा कुछ नहीं आया जो उन्हें अपनी उद्यमशीलता यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करे। इस बीच, आर्थिक नीति और रक्षा संबंधी मामलों में रुचि रखने वाले मनु को एक लेख मिला, जिसमें रक्षा क्षेत्र में वर्तमान सरकार द्वारा नीति में बदलाव का वर्णन किया गया था। उन्होंने सोचा कि नई नीति में स्वदेशी बाजार के खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने और घरेलू विनिर्माण के लिए 500 से अधिक वस्तुओं को आरक्षित करने पर जोर दिया गया है, जो एक आकर्षक व्यावसायिक मौका है।

हालाँकि मनु और तनु संपर्क में थे, लेकिन उन्हें मिले हुए कुछ साल हो गए थे। मनु ने तनु से मुलाकात की और रक्षा क्षेत्र में व्यवसाय की संभावनाओं के बारे में चर्चा की और बताया कि वे अपना खुद का कुछ कैसे शुरू कर सकते हैं। उनका मानना था कि अगर वे रक्षा उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली सहायक वस्तुओं का निर्माण कर सकें तो घरेलू और वैश्विक बाजार में भी काफी संभावनाएं हैं।

अपनी असली चाहत का एहसास होने पर, दोनों ने अपना उद्यम शुरू करने के लिए अपनी उच्च वेतन वाली नौकरियों से इस्तीफा दे दिया। 2020 में उन्होंने एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी बनाई, जिसमें वे दोनों कंपनी के शेयरधारक और निदेशक थे। धीरे-धीरे जब कारोबार बढ़ने लगा तो वे श्याम को शेयरधारक और निदेशक के रूप में ले आए। वर्तमान में, श्याम के पास इक्विटी शेयर पूंजी का 12% हिस्सा है जबकि मनु और तनु के पास 44% हिस्सा है। कंपनी किसी भी बाहरी फंड की मांग किए बिना, आंतरिक रूप से अपने परिचालन को वित्तपोषित करने में सक्षम है।

चूँकि तनु और मनु दोनों के पास व्यावसायिक कौशल और रणनीतिक दृष्टि थी, वे एक पेशेवर पर भरोसा करना चाहते थे जो उन्हें लेखांकन, कानून और अनुपालन मामलों पर मार्गदर्शन दे सके और व्यवसाय की आवश्यकता के अनुसार समय पर विभिन्न बिंदुओं पर विशेषज्ञ सलाह दे सके। उन्होंने अपने लंबे समय के दोस्त और एक स्थायी वित्तीय पेशेवर अजीम को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया।

बोर्ड की एक बैठक के दौरान, ऑडिट स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए, सीएफओ ने निदेशकों को सूचित किया कि चालू वर्ष के लिए वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानकों (भारतीय लेखा मानक) के अनुसार तैयार किए जाएंगे। मार्च 2023 में आयोजित ऑडिट किक-ऑफ मीटिंग में, सीएफओ द्वारा निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई, जबकि तनु और मनु ने अपनी अंतर्दृष्टि जोड़ी:

- (A) श्याम निदेशक मंडल में निदेशक हैं और कंपनी के 12% इक्विटी शेयर रखते हैं। चूँकि श्याम को कुछ वित्तीय आपात स्थिति थी, तनु और मनु कंपनी से 5 लाख का ऋण देकर उसका समर्थन करना चाहते थे। सीएफओ ने उल्लेख किया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी को 7.5 लाख रुपये का संचित लाभ हुआ। यह ध्यान रखना उचित है कि श्याम, श्यामलाल एंड कंपनी में 30% लाभ हिस्सेदारी के साथ एक भागीदार भी है। चालू वर्ष के दौरान, कंपनी ने सामग्री की खरीद के लिए श्यामलाल एंड कंपनी को 2 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया।

- (B) कंपनी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 के तहत पंजीकृत संस्थाओं से भी सामान खरीदती है। कंपनी के सीएफओ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को देय व्यापार की निम्नलिखित जानकारी प्रदान करते हैं:

देय नहीं	₹7 लाख (जिसमें से ₹3 लाख विवादित हैं)
1 वर्ष से कम का बकाया	₹12 लाख (जिसमें से ₹2 लाख विवादित और मध्यस्थता में हैं)
1-2 वर्ष	₹3 लाख विवादित
2 साल से अधिक	शून्य

वर्ष के दौरान, कंपनी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार ₹ 2.50 लाख का ब्याज दिया और नियत दिन के बाद ₹ 1.5 लाख का भुगतान किया गया और ₹ 10,000 का बकाया ब्याज का भुगतान नहीं किया गया।

- (C) एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड ने एक अन्य कंपनी पी एंड टी प्राइवेट लिमिटेड के 100% शेयरों का अधिग्रहण किया। इस अधिग्रहण के लिए बातचीत 1 जनवरी 2022 को शुरू हुई और 1 मार्च 2022 को समझौते को अंतिम रूप दिया गया। जबकि एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड ने 1 मार्च 2022 को पी एंड टी प्राइवेट लिमिटेड के संचालन को नियंत्रित करने की शक्ति प्राप्त की, समझौते में कहा गया है कि अधिग्रहण 1 जनवरी 2022 से प्रभावी है और एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड उस तारीख के बाद सभी मुनाफे का हकदार है। इसके अलावा, खरीद मूल्य 1 जनवरी 2022 तक पी एंड टी प्राइवेट लिमिटेड की शुद्ध संपत्ति पर आधारित है। विचार का अंतिम निपटान 1 मई 2022 को किया गया।
- (D) एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के पास एसएजीई लिमिटेड की जारी इक्विटी शेयर पूंजी की 70% हिस्सेदारी और जारी किए गए प्रतिदेय वरीयता शेयरों का 45% भी है। यह अधिग्रहण 31 दिसंबर 2022 को किया गया था। 31 मार्च 2023 को SAGE लिमिटेड की जारी और भुगतान की गई इक्विटी और वरीयता शेयर पूंजी क्रमशः ₹15 करोड़ और ₹5 करोड़ है। 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि के विवरण में शेष राशि ₹25 करोड़ है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) की एक वस्तु को छोड़कर, संपत्तियों और देनदारियों के सभी बही मूल्य उनके उचित मूल्यों के समान थे। एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पीपीई के अधिग्रहण के समय, वहन राशि ₹3 करोड़ है और इसका उचित मूल्य 6.20 करोड़ था। SAGE लिमिटेड की पुस्तकों में उचित मूल्य के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है

(E) अनु एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक भी हैं, जो 5 महीने की अवधि के लिए विश्व दौरे पर जा रहे थे। अपनी अनुपस्थिति में, वह अपने मित्र कुमार को अपनी ओर से एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के वैकल्पिक निदेशक के रूप में नियुक्त करना चाहते हैं। कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति की अनुमति देता है।

(F) एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड एक ग्राहक एनपी लिमिटेड के साथ ₹21 लाख यानी ₹3 लाख प्रति वर्ष की राशि के लिए सात साल का सेवा अनुबंध करता है। अनुबंध की शुरुआत में एक साल के अनुबंध के लिए स्टैंडअलोन बिक्री मूल्य ₹3 लाख प्रति वर्ष है। एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड विशिष्ट सेवाओं की एक चैन के रूप में अनुबंध के लिए जिम्मेदार है। छठे वर्ष की शुरुआत में, पार्टियां अनुबंध को निम्नानुसार संशोधित करने पर सहमत होती हैं:

- सातवें वर्ष के लिए फीस घटाकर ₹2.7 लाख कर दी गई है
- एनपी लिमिटेड ₹16.80 लाख यानी ₹2.40 लाख प्रति वर्ष के लिए अनुबंध को अगले सात वर्षों के लिए बढ़ाने पर सहमत है।

संशोधन के समय एक वर्ष की सेवा के लिए स्टैंडअलोन बिक्री मूल्य ₹2.10 लाख है।

बहुविकल्पीय प्रश्न: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प प्रदान करें:

1.1 सीएफओ का कहना है कि कर लेखा परीक्षक श्याम को दिए गए 5 लाख के ऋण और श्यामलाल एंड कंपनी को दिए गए 2 लाख के अग्रिम को लाभांश के रूप में मानना चाहता है। क्या यह उचित है?

- (a) 5 लाख का ऋण और 2 लाख का अग्रिम दोनों को लाभांश नहीं माना जाएगा क्योंकि दोनों चुकाने योग्य हैं।
- (b) 5 लाख का ऋण और 2 लाख का अग्रिम केवल 90,000 की सीमा तक माना गया लाभांश माना जाएगा यानी संचित लाभ का 12%।
- (c) ऋण और अग्रिम दोनों को लाभांश के रूप में नहीं माना जाएगा क्योंकि कंपनी में उसका ब्याज केवल 12% है।
- (d) ऋण पर डीमंड लाभांश के रूप में कर लगाया जाएगा, लेकिन श्यामलाल एंड कंपनी को दिया गया अग्रिम डीमंड लाभांश के रूप में नहीं माना जाएगा क्योंकि यह एक व्यावसायिक अग्रिम है।

1.2 सीएफओ का कहना है कि एमएसएमई विक्रेताओं को भुगतान किया गया ब्याज व्यवसाय व्यय के रूप में स्वीकार्य है और इसे कर रिटर्न में तदनुसार रिपोर्ट किया जाना चाहिए:

- (a) 2.60 लाख का ब्याज कटौती योग्य होगा, क्योंकि यह व्यावसायिक व्यय है।
- (b) 1.95 लाख का ब्याज कटौती योग्य होगा, क्योंकि एमएसएमई विक्रेताओं को भुगतान किए गए ब्याज का 75% कटौती के रूप में अनुमति दी जाएगी।
- (c) एमएसएमई विक्रेताओं को भुगतान किए गए ₹2.50 लाख के ब्याज को आय की गणना से कटौती के रूप में अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 विशेष रूप से ऐसी कटौती को प्रतिबंधित करता है।
- (d) 1.25 लाख का ब्याज कटौती योग्य होगा, क्योंकि एमएसएमई को भुगतान किए गए ब्याज का 50% कटौती के रूप में अनुमति दी जाएगी।

1.3 भारतीय लेखा मानक 103 के अनुसार, व्यवसाय संयोजन के प्रयोजनों के लिए एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पी एंड टी प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण की तारीख क्या है?

- (a) 1 जनवरी, 2022
- (b) 1 मार्च 2022
- (c) एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड की पसंद पर या तो 1 जनवरी 2022 या 1 मार्च 2022 तक
- (d) 1 मई 2022

1.4 SAGE लिमिटेड के गैर-नियंत्रित ब्याज की राशि की गणना करें:

- (a) ₹ 15.71 करोड़
- (b) ₹ 12.00 करोड़
- (c) ₹ 12.96 करोड़
- (d) ₹ 14.75 करोड़

1.5 क्या अनु को उसकी अनुपस्थिति में वैकल्पिक निदेशक नियुक्त करने का अधिकार है:

- (a) कुमार को वैकल्पिक निदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए अनु द्वारा किया गया दावा वैध है, क्योंकि एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएशन के लेख नियुक्ति के लिए प्रदान करते हैं।

- (b) अनु द्वारा कुमार को वैकल्पिक निदेशक नियुक्त करने का दावा वैध नहीं है, क्योंकि वैकल्पिक निदेशक नियुक्त करने का अधिकार केवल निदेशक मंडल के पास है और वह भी एसोसिएशन के लेखों के अधीन है।
- (c) कुमार को अनु के स्थान पर वैकल्पिक निदेशक के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति छह महीने से कम होगी।
- (d) कुमार को अनु के स्थान पर वैकल्पिक निदेशक के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति 3 महीने से अधिक होगी। (2 x 5 = 10 अंक)

वर्णनात्मक प्रश्न

1.6 चूंकि तनु और मनु भारतीय लेखा मानक से अच्छी तरह वाकिफ नहीं हैं, इसलिए व्यावसायिक संयोजनों के संदर्भ में वे इसके बारे में समझना चाहते हैं:

(i) अधिग्रहण तिथि का निर्धारण

(ii) नियंत्रण का पता लगाना

(2 + 2 = 4 अंक)

1.7 सीएफओ का मानना है कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निदेशकों को ऋण देना प्रतिबंधित है। क्या एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड श्याम को प्रस्तावित ऋण दे सकता है? टिप्पणी। (5 अंक)

1.8 सीएफओ यह समझना चाहता है कि भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार सातवें वर्ष के अंत में राजस्व कैसे दर्ज किया जाए। साथ ही, अनुबंध संशोधित होने पर राजस्व के लेखांकन को समझाते हुए एक संक्षिप्त नोट भी तैयार करें। (3 + 3 = 6 अंक)

केस स्टडी के उत्तर -1

भाग - A

1.1 (d)

1.2 (c)

1.3 (b)

1.4 (a)

1.5 (b)

प्रश्न संख्या 1.6 का उत्तर।

(i) अधिग्रहण तिथि का निर्धारण: भारतीय लेखा मानक 103 का पैराग्राफ 8 अधिग्रहण की तारीख को उस तारीख के रूप में प्रदान करता है जिस दिन अधिग्रहणकर्ता अधिग्रहणिति का नियंत्रण प्राप्त करता है। इसके अलावा, भारतीय लेखा मानक 103 का पैराग्राफ 9 स्पष्ट करता है कि जिस तारीख को अधिग्रहणकर्ता अधिग्रहणिति का नियंत्रण प्राप्त करता है वह आम तौर पर वह तारीख होती है जिस दिन अधिग्रहणकर्ता कानूनी रूप से प्रतिफल हस्तांतरित करता है, परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करता है और अधिग्रहणिति की देनदारियों को मानता है - **समापन तारीख**।

हालाँकि, अधिग्रहणकर्ता उस तिथि पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है जो या तो पहले या समापन तिथि से बाद में है। उदाहरण के लिए, अधिग्रहण की तारीख समापन तिथि से पहले होती है यदि एक लिखित समझौता यह प्रदान करता है कि अधिग्रहणकर्ता को समापन तिथि से पहले की तारीख पर अधिग्रहण करने वाले का नियंत्रण प्राप्त हो जाता है।

अधिग्रहण की तारीख व्यवसायिक संयोजन के लेखांकन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह निर्धारित करता है कि अधिग्रहणकर्ता कब पहचानता जाता है और प्रतिफल को मापता है, अधिग्रहण की तारीख वह तारीख होगी जिस पर अधिग्रहणकर्ता नियंत्रण प्राप्त करता है। अधिग्रहणिति के परिणामों को इस तिथि से समेकित किया जाता है, की अधिग्रहण की तारीख संयोजन के बाद की कमाई सहित समग्र अधिग्रहण लेखांकन को भौतिक रूप से प्रभावित करते हैं।

(ii) नियंत्रण का पता लगाना: भारतीय लेखा मानक 110 के पैराग्राफ 6 और 7, "समेकित वित्तीय विवरण", अन्य बातों के साथ-साथ बताते हैं कि एक निवेशक एक निवेशिती को नियंत्रित करता है जब वह उजागर होता है, या उसके पास निवेशिती के साथ अपनी भागीदारी से परिवर्तनीय रिटर्न का अधिकार होता है और वह प्रभावित करने की क्षमता रखता है। वे निवेशिती पर अपनी शक्ति के माध्यम से रिटर्न देते हैं। इस प्रकार, एक निवेशक एक निवेशिती को नियंत्रित करता है यदि और केवल तभी जब निवेशक के पास निम्नलिखित सभी हों:

- (a) निवेशिती पर अधिकार;
- (b) निवेशिती के साथ अपनी भागीदारी से परिवर्तनशील प्रतिफलों के लिए जोखिम, या अधिकार; तथा
- (c) निवेशक के प्रतिफल की राशि को प्रभावित करने के लिए निवेशिती पर अपनी अधिकार का उपयोग करने की क्षमता।

प्रश्न संख्या 1.7 का उत्तर

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 185 कंपनी के निदेशकों को ऋण प्रदान करने पर कंपनी पर प्रतिबंध लगाती है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित छूट के अनुसार, निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने की स्थिति में अधिनियम की धारा 185 एक निजी कंपनी पर लागू नहीं होगी:

- (a) जिसकी शेयर पूँजी में किसी अन्य कॉर्पोरेट निकाय ने कोई पैसा निवेश नहीं किया है;
- (b) यदि ऐसी कंपनी का बैंकों या वित्तीय संस्थानों से उधार लेना या कोई भी कॉर्पोरेट निकाय अपनी चुकता अंश पूँजी के दोगुने से कम या पचास करोड़ रुपये, जो भी कम हो; तथा ऐसी कंपनी को इस धारा के तहत लेनदेन करने के समय मौजूद ऐसे उधारों के पुनर्भुगतान में कोई चूक नहीं है।

विश्लेषण और निष्कर्ष

दिए गए मामले में, चूंकि कंपनी (एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड) उपर्युक्त मानदंडों के अनुपालन में है। अतः इस पर अधिनियम की धारा 185 की प्रयोज्यता से छूट रहेगी। इसलिए अधिनियम की धारा 185 के तहत ऋण प्रदान करने पर अंकित प्रतिबंध एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड पर लागू नहीं होंगे। इसलिए, एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड श्याम को प्रस्तावित ऋण दे सकता है।

वैकल्पिक उत्तर

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 निदेशकों को ऋण प्रदान करने पर कंपनी पर प्रतिबंध लगाती है।

इसलिए,

- (i) किसी कंपनी को अपने द्वारा लिए गए किसी भी ऋण के संबंध में कोई भी ऋण, / कोई गारंटी / कोई सुरक्षा देने की अनुमति नहीं है, -
 - (a) कंपनी का कोई निदेशक, या ऐसी कंपनी का जो उसकी होल्डिंग कंपनी है या ऐसे किसी निदेशक का कोई भागीदार या रिश्तेदार; या
 - (b) कोई फर्म जिसमें ऐसा कोई निदेशक या रिश्तेदार भागीदार हो।
- (ii) विश्राम: निर्दिष्ट शर्तों के अधीन, एक कंपनी को निम्नलिखित की अनुमति है:
 - किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा लिए गए किसी भी ऋण के संबंध में कोई ऋण अग्रिम देना या कोई गारंटी देना या कोई सुरक्षा प्रदान करना, जिसमें कंपनी के किसी भी निदेशक की रुचि हो।

अभिव्यक्ति "कोई भी व्यक्ति जिसमें कंपनी का कोई निदेशक रुचि रखता है" का अर्थ है-

- (a) कोई भी निजी कंपनी जिसका ऐसा कोई निदेशक निदेशक या सदस्य है;
- (b) कोई भी निगमित निकाय जिसकी सामान्य बैठक में पच्चीस प्रतिशत से कम न हो। कुल मतदान शक्ति का प्रयोग या नियंत्रण ऐसे किसी निदेशक द्वारा, या दो या अधिक ऐसे निदेशकों द्वारा, एक साथ किया जा सकता है; या
- (c) कोई भी निगमित निकाय, निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक या प्रबंधक, जिसका बोर्ड के निर्देशों या निर्देशों के अनुसार कार्य करने का आदी है, या किसी भी निदेशक या निदेशक, उधार देने वाली कंपनी के।

दिए गए उदाहरण में, श्याम एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के बीओडी में निदेशक हैं। श्याम को कुछ वित्तीय आपात स्थिति थी, इसलिए तनु और मनु कंपनी से 5 लाख का ऋण देकर उसका समर्थन करना चाहते थे। **इसके अलावा श्याम श्यामलाल एंड कंपनी में भी पार्टनर हैं**

विश्लेषण और निष्कर्ष

तदनुसार, बताए गए प्रावधान के अनुसार, एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्याम को ऋण देना निषिद्ध है, जो एक फर्म, श्यामलाल एंड कंपनी में भागीदार भी है, हालांकि धारा 185 (2) में उल्लिखित निर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन के अधीन है। अधिनियम के अनुसार, किसी कंपनी को किसी भी व्यक्ति द्वारा लिया गया ऋण अग्रिम देने की अनुमति है, जिसमें कंपनी के किसी भी निदेशक की रुचि हो। स्पष्टीकरण के अनुसार, "कोई भी व्यक्ति जिसमें कंपनी के किसी भी निदेशक की रुचि हो" में कोई भी निजी कंपनी शामिल है जिसका ऐसा कोई भी निदेशक निदेशक या सदस्य है।

चूँकि श्याम एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं, इसलिए निर्दिष्ट श्रेणी के अंतर्गत आने से, वह एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड से ऋण प्राप्त करने के लिए उक्त धारा के तहत पात्र हो जाते हैं। **इसलिए, एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड श्याम को प्रस्तावित ऋण दे सकता है।**

प्रश्न संख्या 1.8 का उत्तर

- (i) भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार सातवें वर्ष के अंत में राजस्व कैसे दर्ज करें

दिए गए मामले में, भले ही शेष सेवाएं अलग-अलग हैं, लेकिन संशोधन को एक अलग अनुबंध के रूप में लेखांकन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि अनुबंध की कीमत प्रतिफल की राशि से नहीं बढ़ी है जो अतिरिक्त सेवाओं के स्टैंडअलोन बिक्री मूल्य को दर्शाती है।

संशोधन की गणना, संशोधन की तारीख से की जाएगी, जैसे कि मौजूदा व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी और एक नया अनुबंध बनाया गया था (यानी संभावित आधार पर) क्योंकि प्रदान की जाने वाली शेष सेवाएं अलग हैं।

एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड को प्रदान की जाने वाली शेष सभी सेवाओं (अर्थात मूल अनुबंध से शेष दायित्व और नए दायित्व) के लिए शेष प्रतिफल को पुनः आवंटित करना चाहिए। एम एंड ए प्राइवेट लिमिटेड शेष आठ साल की सेवा अवधि (मूल अनुबंध के तहत शेष एक वर्ष और सात अतिरिक्त वर्ष) या प्रति वर्ष 2.4375 लाख की कुल राशि को मान्यता देगा।

(ii) अनुबंध संशोधित होने पर राजस्व के लेखांकन के लिए संक्षिप्त नोटः

भारतीय लेखा मानक 115 का अनुच्छेद 18 से 20 अनुबंध संशोधन से संबंधित है। यह कुछ परिस्थितियों में इसे एक अलग अनुबंध के रूप में मानने का प्रावधान करता है। अनुबंध संशोधन अनुबंध के दायरे या कीमत में एक बदलाव है जिसे अनुबंध के पक्षों द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

एक अनुबंध संशोधन एक अनुबंध के दायरे या कीमत (या दोनों) में बदलाव है यानी अनुबंध के पक्षों द्वारा अनुमोदित। अनुबंध संशोधन तब मौजूद होता है जब अनुबंध के पक्ष एक संशोधन को मंजूरी देते हैं जो या तो एक नया बनाता है या अनुबंध में पार्टियों के मौजूदा लागू करने योग्य अधिकारों और दायित्वों को बदलता है। एक अनुबंध संशोधन को लिखित रूप में, मौखिक समझौते द्वारा या प्रथागत व्यावसायिक प्रथाओं द्वारा निहित किया जा सकता है। यदि अनुबंध के पक्षों ने अनुबंध संशोधन को मंजूरी नहीं दी है, तो अनुबंध संशोधन स्वीकृत होने तक इकाई इस मानक को मौजूदा अनुबंध पर लागू करना जारी रखेगी।

संशोधन के लिए लेखांकन

एक बार संशोधित किए जाने वाले अनुबंध का निर्धारण स्थापित हो जाने के बाद, इकाई आगे अपने लेखांकन को या तो एक अलग अनुबंध के रूप में या पुराने अनुबंध की समाप्ति और एक नए अनुबंध के निर्माण के रूप में निर्धारित करती है, जो मूल अनुबंध के लिए संचयी कैच-अप समायोजन या दोनों के संयोजन के माध्यम से होती है।

एक इकाई एक संविदा संशोधन के लिए एक अलग संविदा के रूप में लेखा रखती है यदि संशोधन दोनों

- (1) नए वादा किए गए सामान या सेवाओं को जोड़कर मूल संविदा के तहत वादा किए गए कार्य के दायरे को बढ़ाता है जिन्हें अलग माना जाता है, और

(2) संविदा मूल्य में वृद्धि अतिरिक्त वस्तुओं या सेवाओं के स्टैंड अलोन विक्रय मूल्य को दर्शाती है।

यदि कोई संशोधन विशिष्ट वस्तुओं या सेवाओं की श्रृंखला में एक विशिष्ट वस्तु या सेवा जोड़ता है जिसे एकल प्रदर्शन दायित्व के रूप में माना जाता है, संशोधन को एक अलग संविदा के रूप में तब तक माना जाता है जब तक कि उन अतिरिक्त वस्तुओं या सेवाओं के लिए स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य से लेन-देन की कीमत बढ़ जाती है।

केस स्टडी - 2

सहाना आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए ग्रेजुएट हैं। सहाना और उनके पिता ने कपास और धागा मिलों के अपने पारिवारिक व्यवसाय का समर्थन करने के लिए एक बुटीक और रेडीमेड परिधान स्टोर की चेन स्थापित करने के लिए एक कंपनी 'साह फैशन लिमिटेड' बनाई। शुरुआती दौर में वह अपने व्यवसाय के लेखांकन और कराधान भाग को स्वयं प्रबंधित करने में सक्षम थीं। व्यवसाय के विस्तार को ध्यान में रखते हुए, वह एक पेशेवर सलाहकार को नियुक्त करने पर विचार कर रही थी जो कराधान और लेखांकन सहित सभी व्यावसायिक मामलों में सहायता करेगा। वह कंपनी से संबंधित लेखांकन और अनुपालन मामलों पर मदद लेने के लिए अपने पुराने दोस्त, मदन, जो एक प्रैक्टिसिंग चार्टर्ड अकाउंटेंट है, के पास पहुंची।

मदन ने अपनी खुद की प्रोपराइटरशिप फर्म स्थापित की और 10 वर्षों से ऑडिट और टैक्सेशन में विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। जब सहाना ने पेशेवर मदद के लिए मदन से संपर्क किया, तो उसे उसका समर्थन करने में बहुत खुशी हुई। सगाई के विवरण पर चर्चा करने के लिए वे एक कॉफी शॉप में मिले। बातचीत के दौरान, मदन ने उसे बताया कि समय बदल गया है और वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार किसी भी व्यवसाय के खातों को प्रस्तुत करने के तरीके भी बदल गए हैं। वह बताते हैं कि वित्तीय विवरणों की तैयारी अब इस तरह से नियमित हो गई है, जहां ऐसे सभी वित्तीय विवरणों में पूरे उद्योग में एकरूपता/एकरूपता होगी (कुछ अपवादों जैसे विशेष रूप से विनियमित वित्तीय विवरणों को छोड़कर)। इसके अलावा, इन वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को बुनियादी ढांचे के अनुपालन का आश्वासन भी मिलेगा। वह उसे आयकर और जीएसटी में नवीनतम परिवर्तनों का एक सिंहावलोकन भी देता है जिसका उसके व्यवसाय पर प्रभाव पड़ सकता है। लेखांकन और कराधान पहलुओं पर विस्तृत बातचीत के बाद, वह सहाना से अपने व्यवसाय और उन मुद्दों के बारे में जानकारी देने के लिए कहता है जिनका वह सामना कर रही है। मीटिंग और अधिक औपचारिक हो जाती है क्योंकि सहाना अपनी कंपनी में काम करने वाले अकाउंटेंट मुरारी को मीटिंग में बुलाती है।

सहाना मदन को निम्नलिखित खुले मुद्दे समझाती है:

समस्या 1

सहाना का मानना है कि मुरारी प्लांट और मशीनरी पर मूल्यहास की उचित गणना नहीं कर रहे हैं:

	विवरण (ब्यौरा)	₹"लाख
(1)	प्लांट एवं मशीन का डब्ल्यूडीवी (पी एंड एम)	30
(2)	नया पी एंड एम खरीदा गया और 8 जून 2022 को उपयोग में लाया जाएगा*	20
(3)	नए पी एंड एम का अधिग्रहण किया गया और 15 दिसंबर 2022 को उपयोग में लाया गया*	8
(4)	2 जनवरी 2023 को कंप्यूटर का अधिग्रहण और स्थापना की गई	3

* प्रति वर्ष 20% की दर से अतिरिक्त मूल्यहास के लिए पात्र

मुरारी के कामकाज के अनुसार, मशीनरी पर 15% की दर से कुल अधिकतम मूल्यहास ₹8.7 लाख और कंप्यूटर पर 40% की दर से ₹1.2 लाख आता है।

समस्या 2

1 अप्रैल 2021 को, साह फैशन लिमिटेड ने 5 लाख रुपये में स्पन लिमिटेड का 100% अधिग्रहण कर लिया, जो कपास कटाई व्यवसाय में थी। स्पन लिमिटेड की शुद्ध पहचान योग्य संपत्ति का उचित मूल्य ₹4.5 लाख था और सद्भावना ₹0.5 लाख थी। 31 मार्च 2023 को, सरकार ने कपड़ा क्षेत्र पर अपनी नीति बदल दी, जिसका स्पन लिमिटेड जैसी कंपनियों के कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

सरकारी नीतियों पर आंतरिक चर्चा से संकेत मिलता है कि आने वाले तीन से पांच वर्षों में स्पन लिमिटेड के राजस्व में 20% की गिरावट का अनुमान है। बाजार स्थल पर प्रतिकूल प्रभाव और सख्त नियामक स्थितियां हानि का संकेत देती हैं। परिणामस्वरूप, स्पन लिमिटेड को 31 मार्च 2023 को सद्भावना और शुद्ध संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना होगा।

साह फैशन्स लिमिटेड सीधी रेखा मूल्यहास का उपयोग करता है। स्पन लिमिटेड की संपत्तियों का उपयोगी जीवन बिना किसी अवशिष्ट मूल्य के 15 वर्ष होने का अनुमान है। इसके अलावा, किसी भी व्यक्तिगत संपत्ति में कोई स्वतंत्र नकदी प्रवाह की पहचान नहीं की जा सकती है। इसलिए स्पन लिमिटेड के संपूर्ण परिचालन को नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई (सीजीयू) के

रूप में माना जाएगा। नियामक उलझन के कारण, सीजीयू के रूप में स्पन लिमिटेड का विक्रय मूल्य निर्धारित करना संभव नहीं है। उपयोग में इसका मूल्य प्रबंधन द्वारा ₹3.02 लाख आंका गया है।

समस्या 3

कंपनी को अप्रैल 2023 के दौरान विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से इनपुट और इनपुट सेवाओं के लिए चालान प्राप्त हुए हैं। चालान में 5 लाख का कुल इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) (आईजीएसटी, सीजीएसटी और एसजीएसटी) शामिल है। आपूर्तिकर्ताओं ने संबंधित माह के लिए अपना जीएसटी रिटर्न प्रस्तुत किया है और उनके जीएसटीआर-1 चालान में केवल ₹3 लाख का आईटीसी शामिल है, अपलोड किया गया था। मुरारी का मानना है कि चूंकि कंपनी के पास जीएसटी रिटर्न में अपलोड नहीं किए गए चालान की सभी भौतिक प्रतियां हैं, इसलिए जीएसटी आईटीसी का लाभ उठाने में कोई समस्या नहीं होगी। एक उदाहरण में, कंपनी को आपूर्तिकर्ता से सामग्री प्राप्त हुई लेकिन चालान नहीं मिला। जीएसटी विभाग ने कर चोरी के लिए संबंधित आपूर्तिकर्ता को नोटिस जारी किया, जिसने कर प्राप्त करने पर धारा 74 के तहत इसे जमा कर दिया है। इसमें शामिल आईटीसी की राशि ₹0.15 लाख थी जिसके लिए आपूर्तिकर्ता द्वारा बाद में चालान जारी किया गया था और अब इसे ₹5 लाख में शामिल किया गया है और अब जीएसटीआर 2ए में दिखाई दे रहा है। इसके अलावा एक मामले में, सामग्री का आयात किया गया था, जिस पर पात्र आईटीसी ₹0.70 लाख (₹5 लाख में शामिल) था, लेकिन वह जीएसटीआर 2ए में प्रतिबिंबित नहीं हो रहा था।

समस्या 4

कंपनी ने 30 सितंबर 2019 को आयोजित वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में गण को तीन साल की अवधि के लिए कंपनी के बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया। 2 अक्टूबर 2020 को गण एक दुर्घटना का शिकार हो गए और उनकी मौत पर ही मौत हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने 16 अक्टूबर 2020 को सृजित आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए हीरो को नियुक्त किया। हीरो की नियुक्ति बोर्ड द्वारा बिना किसी शर्त के तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई थी। वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 29 सितंबर 2021 को आयोजित की गई थी।

समस्या 5

कंपनी से संबंधित मामलों के अलावा, सहाना ने मदन से अपने व्यक्तिगत कर मामलों में भी सलाह देने के लिए कहा। वह अपने निवास के लिए एक आवासीय फ्लैट खरीदने की योजना बना रही है, जिसकी कीमत ₹48.50 लाख है। फ्लैट बेचने वाला व्यक्ति, रेनबो, आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार एक एनआरआई है और वह बिक्री विलेख निष्पादित

करने के लिए भारत आएगा। स्वामित्व हस्तांतरित होने के बाद, फ्लैट का नवीनीकरण लगभग 60 लाख रुपये की कुल लागत से किया जाएगा। मदन को तब बहुत आश्चर्य हुआ जब उसे पता चला कि नवीनीकरण की लागत फ्लैट की खरीद कीमत से अधिक है। सहाना ने मदन को सूचित किया कि वह इलाके के साथ अपने पिता के भावनात्मक लगाव के कारण फ्लैट खरीद रही है और अपनी पसंद के अनुसार इंटीरियर बनाने के लिए नवीकरण कार्य के लिए ठेकेदार को अंतिम रूप देने का मूल्यांकन कर रही है। जाहिर तौर पर, मुरारी ने उन्हें सूचित किया कि खरीदे गए फ्लैट और प्रस्तावित नवीकरण के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कोई अनुपालन नहीं होगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प प्रदान करें:

2.1 क्या मुरारी द्वारा गणना की गई आयकर अधिनियम, 1961 के तहत अधिकतम मूल्यहास सही है? यदि नहीं, तो अंक 1 में दिए गए विवरण के अनुसार अधिकतम स्वीकार्य मूल्यहास क्या है?

- (a) हां, मूल्यहास की गणना गलत है और सही अधिकतम मूल्यहास ₹14.3 लाख होना चाहिए
- (b) नहीं, मूल्यहास की गणना गलत है और सही अधिकतम मूल्यहास ₹14.9 लाख होना चाहिए
- (c) नहीं, मूल्यहास की गणना गलत है और सही अधिकतम मूल्यहास ₹13.5 लाख होना चाहिए
- (d) नहीं, मूल्यहास की गणना गलत है और सही अधिकतम मूल्यहास ₹12.9 लाख होना चाहिए

2.2 हानि हानि की वह राशि क्या है जिसे साह फैशन्स लिमिटेड को लाभ और हानि के विवरण में स्थानांतरित करना आवश्यक है और इसे कैसे आवंटित किया जाना चाहिए?

- (a) क्षति हानि ₹1.98 लाख है और इसे आनुपातिक रूप से सद्भावना और अन्य परिसंपत्तियों के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।
- (b) क्षति हानि ₹1.38 लाख है और इसे आनुपातिक रूप से सद्भावना और अन्य परिसंपत्तियों के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।
- (c) क्षति हानि ₹1.68 लाख है और इसे पहले सद्भावना के लिए आवंटित किया जाना चाहिए और फिर शेष अन्य सभी संपत्तियों के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।

- (d) क्षति हानि ₹1.38 लाख है और इसे पहले सद्भावना के लिए आवंटित किया जाना चाहिए और फिर शेष सभी अन्य संपत्तियों के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।

2.3 उपरोक्त अंक 3 में उल्लिखित तथ्यों के अनुसार जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट की पात्र राशि है

- (a) ₹ 4.2680 लाख
(b) ₹ 3.8350 लाख
(c) ₹ 3.6925 लाख
(d) ₹ 3.8502 लाख

2.4 अंक 4 में तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, क्या कंपनी के निदेशक के रूप में हीरो की नियुक्ति वैध है?

- (a) निदेशक मंडल द्वारा हीरो की नियुक्ति वैध नहीं है क्योंकि यह कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के खिलाफ है और उसे असाधारण सामान्य बैठक में सदस्यों द्वारा नियुक्त किया जाना चाहिए था।
(b) निदेशक मंडल द्वारा हीरो की नियुक्ति वैध है लेकिन 29 सितंबर 2021 को आयोजित आम बैठक में सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
(c) निदेशक मंडल द्वारा हीरो की नियुक्ति वैध है, क्योंकि निदेशकों की नियुक्ति के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।
(d) निदेशक मंडल द्वारा हीरो की नियुक्ति वैध नहीं है क्योंकि किसी निदेशक की मृत्यु हो जाने वाले निदेशक के स्थान पर तुरंत निदेशक की नियुक्ति नहीं की जा सकती है।

2.5 क्या सहाना को आयकर अधिनियम, 1961 के तहत किसी भी प्रावधान का पालन करने की आवश्यकता नहीं है, यह देखते हुए कि उसका व्यक्तिगत रिटर्न आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत ऑडिट के अधीन नहीं है?

- (a) संपत्ति की खरीद पर धारा 194-आईए के तहत टीडीएस काटना आवश्यक है, लेकिन नवीनीकरण के अनुबंध कार्य पर कोई टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि व्यक्तियों को टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है।
(b) संपत्ति की खरीद पर धारा 195 के तहत टीडीएस काटा जाना आवश्यक है और नवीनीकरण के अनुबंध कार्य पर भी टीडीएस काटा जाना आवश्यक है क्योंकि अनुबंध मूल्य ₹60 लाख है।

- (c) धारा 195 के तहत टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि खरीद पर विचार की राशि ₹50 लाख से कम है, लेकिन नवीनीकरण के अनुबंध कार्य पर टीडीएस काटना आवश्यक है क्योंकि अनुबंध मूल्य ₹60 लाख है।
- (d) धारा 194-आईए के तहत टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि खरीद पर विचार की राशि ₹50 लाख से कम है और नवीनीकरण के अनुबंध कार्य पर कोई टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि व्यक्तियों को टीडीएस काटने की आवश्यकता नहीं है। (2 x 5 = 10 अंक)

वर्णनात्मक प्रश्न

- 2.6 सहाजा हानि की अवधारणा में रुचि रखती है और यह समझना चाहती है कि यदि कोई संपत्ति एक बार क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो क्या उसे उलटा किया जा सकता है। इस संदर्भ में:
- (i) हानि के उत्क्रमण के लिए लेखांकन को संक्षेप में समझाइए।
- (ii) सूचना का स्रोत जो क्षति हानि के उलट होने का संकेत देता है (4 + 2 = 6 अंक)
- 2.7 सहाजा जानना चाहती है कि क्या उसकी कंपनी जीएसटी आईटीसी का दावा करते समय कुछ चालान भूल गई है, तो उस आईटीसी का दावा कब तक किया जा सकता है। उनका मानना है कि संबंधित वित्तीय वर्ष के मार्च महीने के लिए जीएसटीआर 3बी रिटर्न दाखिल करने तक इसे लिया जा सकता है क्या उसका दृष्टिकोण उचित है? (3 अंक)
- 2.8 "कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों की अलग-अलग भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ हैं। ऑडिट समिति के हिस्से के रूप में वित्तीय रिपोर्टिंग और अनुमोदन के संदर्भ में स्वतंत्र निदेशकों की जिम्मेदारी का विशेष उल्लेख आवश्यक है।" उदाहरण सहित समझाइये। (6 अंक)

केस स्टडी के उत्तर 2

भाग - A

- 2.1 (c)
- 2.2 (d)
- 2.3 उपरोक्त में से कोई भी विकल्प सही नहीं है
- 2.4 (b)
- 2.5 (b)

प्रश्न संख्या 2.6 का उत्तर**(i) हानि के प्रत्यावर्तन के लिए लेखांकन (भारतीय लेखा मानक 36 के अनुच्छेद 110-116)**

एक क्षतिपूर्ण हानि के उत्क्रमण के कारण साख के अलावा अन्य संपत्ति की बढ़ी हुई वहन राशि उस वहन राशि से अधिक नहीं होगी जो निर्धारित की गई होती (परिशोधन या मूल्यहास का शुद्ध) पिछले वर्षों में संपत्ति के लिए कोई क्षतिपूर्ण हानि की पहचान नहीं की गई थी। इस राशि से अधिक में कोई भी वृद्धि एक पुनर्मूल्यांकन होगी और उचित मानक (जैसे भारतीय लेखा मानक 16 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) के तहत हिसाब लगाया जाएगा।

साख के अलावा किसी परिसंपत्ति के लिए क्षतिपूर्ण हानिका उत्क्रमण लाभ या हानि में तुरंत पहचाना जाता है, जब तक कि परिसंपत्ति को किसी अन्य भारतीय लेखा मानक के अनुसार पुनर्मूल्यांकन राशि पर नहीं ले जाया जाता है। एक पुनर्मूल्यांकन परिसंपत्ति की क्षतिपूर्ण हानि के किसी भी उत्क्रमण को उस अन्य भारतीय लेखा मानक के अनुसार पुनर्मूल्यांकन वृद्धि के रूप में माना जाएगा।

एक पुनर्मूल्यांकन परिसंपत्ति पर एक क्षतिपूर्ण हानि का उत्क्रमण अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त है और उस परिसंपत्ति के लिए पुनर्मूल्यांकन अधिशेष को बढ़ाता है। हालाँकि, उस हद तक कि उसी पुनर्मूल्यांकित परिसंपत्ति पर एक क्षतिपूर्ण हानिको पहले लाभ या हानि में मान्यता दी गई थी, उस क्षतिपूर्ण हानि के प्रत्यावर्तन को भी लाभ या हानि में मान्यता दी गई है। एक क्षतिपूर्ण हानिके उत्क्रमण के बाद, परिसंपत्ति के लिए मूल्यहास (परिशोधन) शुल्क को भविष्य की अवधि में परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि आवंटित करने के लिए इसके अवशिष्ट मूल्य (यदि कोई हो) को घटाकर, इसके शेष उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित आधार पर समायोजित किया जाता है।

(ii) क्षति हानि के उलट होने के संकेत (भारतीय लेखा मानक 36 का पैराग्राफ 111)

यह आकलन करने में कि क्या कोई संकेत है कि साख के अलावा किसी संपत्ति के लिए पूर्व अवधि में मान्यता प्राप्त एक क्षतिपूर्ण हानि एक इकाई न्यूनतम के रूप में, अब मौजूद नहीं हो सकती है या कम हो सकती है, निम्नलिखित संकेतों पर विचार करेगी:

सूचना के बाहरी स्रोत

- (a) देखने योग्य संकेत हैं कि इस अवधि के दौरान परिसंपत्ति के मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है;

- (b) इकाई पर अनुकूल प्रभाव के साथ महत्वपूर्ण परिवर्तन अवधि के दौरान हुए हैं, या निकट भविष्य में तकनीकी, बाजार, आर्थिक या कानूनी वातावरण में होंगे जिसमें इकाई संचालित होती है या बाजार में संपत्ति समर्पित है; तथा
- (c) बाजार ब्याज दरों या निवेश पर वापसी की अन्य बाजार दरों में इस अवधि के दौरान कमी आई है, और उनके घटने से परिसंपत्ति के मूल्य की गणना में उपयोग की जाने वाली छूट दर को प्रभावित करने और संपत्ति की वसूली योग्य राशि में भौतिक रूप से वृद्धि होने की संभावना है।

सूचना के आंतरिक स्रोत

- (a) इकाई पर अनुकूल प्रभाव के साथ जिस हद तक, या जिस तरीके से, संपत्ति का उपयोग किया जाता है या उपयोग किए जाने की उम्मीद है अवधि के दौरान महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, या निकट भविष्य में होने की उम्मीद है; तथा
- (b) आंतरिक रिपोर्टिंग से साक्ष्य उपलब्ध है जो इंगित करता है कि परिसंपत्ति का आर्थिक प्रदर्शन अपेक्षा से बेहतर है, या होगा।

प्रश्न संख्या 2.7 का उत्तर

एक पंजीकृत व्यक्ति वित्तीय वर्ष के अंत के बाद नवंबर के 30 वें दिन के बाद वस्तुओं या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति के लिए किसी भी चालान/डेबिट नोट के संबंध में आईटीसी लेने का हकदार नहीं है, जिससे ऐसा चालान/डेबिट नोट संबंधित है या प्रासंगिक प्रस्तुत कर रहा है। वार्षिक रिटर्न, जो भी पहले हो।

इस प्रकार, उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार, सहाना द्वारा लिया गया विचार कि छूटे हुए चालानों का आईटीसी संबंधित वित्तीय वर्ष के मार्च महीने के लिए जीएसटीआर 3बी रिटर्न दाखिल करने तक लिया जा सकता है, सही नहीं है।

छूटे हुए चालानों का आईटीसी वित्तीय वर्ष के अंत के बाद नवंबर के 30वें दिन तक लिया जा सकता है, जिससे ऐसा चालान संबंधित है या प्रासंगिक वार्षिक रिटर्न प्रस्तुत किया जा सकता है, जो भी पहले हो।

प्रश्न संख्या 2.8 का उत्तर

कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों की विभिन्न भूमिकाएँ

निदेशक मंडल में कार्यकारी और गैर-कार्यकारी दोनों निदेशक शामिल हो सकते हैं। कार्यकारी निदेशक विभिन्न व्यवसाय संचालन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हैं। एक पूर्णकालिक निदेशक और प्रबंध निदेशक इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। इसके विपरीत, गैर-कार्यकारी निदेशक व्यवसाय

के कुशल प्रबंधन से लेकर नीतियों के निर्माण से संबंधित चर्चाओं में बोर्ड बैठकों के माध्यम से भाग लेते हैं। इस श्रेणी में पेशेवर निदेशक और नामांकित निदेशक शामिल हैं। वे कार्यकारी निदेशकों की तरह सक्रिय नहीं हैं और उन्हें केवल तभी उत्तरदायी ठहराया जाता है यदि उन्होंने जानबूझकर गलत कार्यों के लिए सहमति दी हो।

लेखापरीक्षा समिति के अलावा वित्तीय रिपोर्टिंग और अनुमोदन के संदर्भ में स्वतंत्र निदेशकों की जिम्मेदारी धारा 177 (4) के अनुसार, प्रत्येक लेखापरीक्षा समिति बोर्ड द्वारा लिखित रूप में निर्दिष्ट संदर्भ की शर्तों के अनुसार कार्य करेगी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ शामिल होंगे,-

- (a) कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक और नियुक्ति की शर्तों के लिए सिफारिश;
- (b) लेखापरीक्षक (ऑडिटर) की स्वतंत्रता और प्रदर्शन, और लेखापरीक्षा प्रक्रिया (ऑडिट प्रोसेस) की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना;
- (c) वित्तीय विवरण और उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट की जाँच;
- (d) आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन;
- (e) कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहाँ कहीं आवश्यक हो;
- (f) संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेन-देन में अनुमोदन या बाद में कोई संशोधन।
- (g) अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों और निवेशों की जाँच;
- (h) सार्वजनिक प्रस्तावों और संबंधित मामलों के माध्यम से जुटाए गए धन के अंतिम उपयोग की निगरानी करना।

स्वतंत्र निदेशक (आईडी) ईमानदार व्यक्ति होता है और उसके पास वित्त, कानून, प्रबंधन, बिक्री, विपणन, प्रशासन, अनुसंधान, कॉर्पोरेट प्रशासन, तकनीकी संचालन या कंपनी के व्यवसाय से संबंधित अन्य विषयों के एक या अधिक क्षेत्रों में प्रासंगिक विशेषज्ञता और अनुभव होता है। अधिकांश सदस्य, ऑडिट समिति में स्वतंत्र निदेशक होने के नाते कंपनी के खुलासे, पारदर्शिता और जवाबदेही को सक्षम करके कॉर्पोरेट प्रशासन के सिद्धांतों को बढ़ावा देते हैं।

उपरोक्त सभी लेनदेन का वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया और वित्तीय विवरणों के अनुमोदन के संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। तदनुसार, ऑडिट समिति के सदस्यों के रूप में स्वतंत्र निदेशक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

केस स्टडी - 3

अपरा और संपद ने चेन्नई की एक प्रतिष्ठित सीए फर्म से अपना आर्टिकलशिप प्रशिक्षण पूरा किया था। दोनों पढ़ाई में अच्छे थे और क्वालिफाई करने के बाद उन्होंने प्रोफेशन में पार्टनर और जीवन में पार्टनर बनने का फैसला किया। संपद कानूनों और प्रत्यक्ष कर की व्याख्या में कुशल थे, जबकि अपरा अप्रत्यक्ष कर, लेखा परीक्षा और वित्तीय रिपोर्टिंग में अच्छे थे। उन्होंने कोच्चि में अपारसंपद एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के नाम से अपनी फर्म शुरू की।

वर्तमान में, उनके पास फेमा, कॉर्पोरेट कानून, अंतर्राष्ट्रीय कराधान, मूल्यांकन आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक अच्छी तरह से स्थापित प्रथा है, अपरा और संपद ने अतीत में ग्रीनली लिमिटेड के उपाध्यक्ष (वित्त) रामनिक के लिए कुछ कार्य किए थे। कंपनी की वित्त टीम, आंतरिक लेखा परीक्षकों और कर सलाहकारों के साथ एक बैठक के लिए अपरा और संपद को आमंत्रित किया। चूंकि ग्रीनली लिमिटेड फर्म के लिए एक प्रतिष्ठित ग्राहक था, अपरा और संपद ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान रामनिक ने निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की:

1. ग्रीनली लिमिटेड दिल्ली की अग्रणी लॉन्ड्री में से एक है। सूट की सफाई के लिए यह प्रति सूट सेट 625 रुपये चार्ज करता है। लॉन्ड्री द्वारा कीमत इस प्रकार निकाली गई है:

- a. एक। सफाई सामग्री ₹ 37
- b. श्रम ₹180 (3 घंटे @ ₹ 60/-)
- c. परिवर्तनीय उपरिव्यय ₹ 80
- d. फिक्स्ड ओवरहेड्स ₹60 (3 घंटे @ ₹20 प्रति घंटा) और कुल लागत पर 75% मार्क अप

कंपनी समय पर डिलीवरी और गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए जानी जाती है और इसलिए, यह अपनी सेवाओं के लिए प्रीमियम लेती है। श्रम शुल्क भुगतान किए गए कुल वेतन को उपलब्ध घंटों की कुल संख्या से विभाजित करके निकाला गया है। परिवर्तनीय ओवरहेड्स साफ किए गए सूटों की संख्या पर निर्भर करते हैं जबकि निश्चित ओवरहेड्स दर सभी संबंधित खर्चों की कुल लागत को उपलब्ध श्रम घंटों की संख्या से विभाजित करके प्राप्त की जाती है। नियत उपरिव्यय में सामान्यतः कार्यालय का किराया और प्रशासनिक वेतन शामिल होता है। टी20 के कारण दिल्ली में एक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है और एक होटल को प्रीमियम लॉन्ड्री सेवाएं प्रदान करने की भी आवश्यकता है जिसके लिए कंपनी से सबसे कम दरों के लिए संपर्क किया गया है। प्राथमिकता के आधार पर लांड्री के लिए 150 सूट दिये जाने की संभावना है। इस अतिरिक्त विशेष ऑर्डर के लिए भी कंपनी के पास स्टॉक में सफाई की पर्याप्त सामग्री है। ऐसा माना जाता है कि 55% अतिरिक्त

काम सामान्य कामकाजी घंटों में किया जा सकता है और बाकी काम के लिए कुछ कर्मचारियों को ओवरटाइम की आवश्यकता होगी। ओवरटाइम घंटों का भुगतान सामान्य प्रति घंटे की दर से डेढ़ गुना किया जाता है।

- II. ग्रीनली लिमिटेड को 3 साल का औसत लाभ ₹10 करोड़ है और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, इसे कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के कारण खर्च करना आवश्यक है। यह खर्च वह ग्रीन फाउंडेशन नाम के एनजीओ के जरिए करना चाहती है। ग्रीन फाउंडेशन का गठन कुछ समान विचारधारा वाले व्यक्तियों द्वारा किया गया था, जो झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा का मुद्दा उठाना चाहते थे। यह आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए और धारा 80जी के तहत पंजीकृत था, लेकिन कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ पंजीकृत नहीं था। हालाँकि, फाउंडेशन 2019 से कुछ संस्थाओं के लिए छोटे पैमाने पर कुछ सीएसआर परियोजनाएं चला रहा है।
- III. कंपनी ने एक फैक्ट्री बनाने के लिए 1 अगस्त 2010 को शहर के बाहरी इलाके में 1.25 करोड़ रुपये में एक जमीन खरीदी, जिसके लिए उस तारीख को स्टॉप शुल्क का मूल्यांकन 1.75 करोड़ रुपये था। बाद में, प्रबंधन ने व्यवसाय विविधीकरण उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उस जमीन को बेचने का फैसला किया। 1 अगस्त 2022 को शहर के बाहरी इलाके की जमीन ₹ 5.00 करोड़ में बेची गई। स्टॉप शुल्क का मूल्यांकन ₹ 5.40 करोड़ था। वित्तीय वर्ष 2010-11 और वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक क्रमशः 167 और 331 है।
- IV. एबीसी एलएलपी, ग्रीनली लिमिटेड के वैधानिक लेखा परीक्षकों ने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया और निदेशक मंडल द्वारा अपारसंपाद एंड कंपनी को कंपनी के अगले लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया। यह अपरा और संपद दोनों के लिए एक बड़ा अवसर था, क्योंकि वे ग्रीनली लिमिटेड से कुछ व्यवसाय प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे।
बनाम बैठक पूरी होने के बाद रमणीक संपद से मिले और उनसे अनौपचारिक चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी, स्वीटी, स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए से पोस्ट-ग्रेजुएशन कर रही थी, जिसके लिए उन्होंने उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत विदेश में उसके भरण-पोषण के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर यानी 40 लाख रुपये भेजे थे। सौभाग्य से, उन्हें वर्ष के दौरान कोई अन्य प्रेषण नहीं करना पड़ा।
- VI. जब संपाद रमणीक के साथ चर्चा में व्यस्त थे, ग्रीनली लिमिटेड के आंतरिक लेखा परीक्षक और अपरा के करीबी दोस्त सीए मणि ने त्वरित बातचीत के लिए उनसे संपर्क किया। मणि ने अपरा को सूचित किया कि उनकी प्रैक्टिस अच्छी चल रही है और उन्हें एक

सूचीबद्ध इकाई के वैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। हाल ही में, वह शासन और लेखापरीक्षा समिति के प्रभारी लोगों को लेखापरीक्षा के प्रमुख बिंदुओं को संप्रेषित करते हुए लेखापरीक्षा पत्र को अंतिम रूप देने में व्यस्त रहे हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प प्रदान करें:

3.1 रमणीक द्वारा ₹40 लाख के प्रेषण से, अधिकृत डीलर है:

- (a) स्रोत पर कर का कोई संग्रह करने की आवश्यकता नहीं है।
- (b) 1.65 लाख के स्रोत पर कर का संग्रह करना आवश्यक है।
- (c) ₹2 लाख के स्रोत पर कर का संग्रह करना आवश्यक है।
- (d) ₹0.165 लाख के स्रोत पर कर का संग्रह करना आवश्यक है।

3.2 कंपनी द्वारा शहर के बाहरी इलाके में भूमि की बिक्री पर उत्पन्न होने वाला पूंजीगत लाभ होगा

- (a) ₹ 2.62 करोड़
- (b) ₹ 1.53 करोड़
- (c) ₹ 1.42 करोड़
- (d) ₹ 2.37 करोड़

3.3 शासन और लेखापरीक्षा समिति के प्रभारी लोगों को लेखापरीक्षा के मुख्य बिंदुओं के बारे में बताते हुए लेखापरीक्षा पत्र का मसौदा तैयार करते समय, मणि सोच रहे थे कि क्या उन्हें एक विशिष्ट दस्तावेज़ पहचान संख्या (यूडीआईएन) उत्पन्न करने की आवश्यकता है:

- (a) हां, वैधानिक ऑडिट रिपोर्ट और शासन के प्रभारी लोगों को पत्र के लिए अलग-अलग यूडीआईएन तैयार किए जाने हैं।
- (b) नहीं, यूडीआईएन केवल सभी प्रमाणपत्रों, सभी ऑडिट रिपोर्टों और अन्य सभी ऑडिट, आश्वासन और सत्यापन कार्यों के लिए आवश्यक है, संचार करने वाले किसी पत्र आदि के लिए नहीं।
- (c) हां, एक ग्राहक के सभी दस्तावेजों के लिए एक एकल यूडीआईएन उत्पन्न किया जा सकता है। यूडीआईएन को दस्तावेज़ के बजाय ग्राहक के अनुसार तैयार करना आवश्यक है।

(d) नहीं, एक सगाई के लिए पूरे वर्ष के लिए एक एकल यूडीआईएन उत्पन्न किया जा सकता है जिसमें ऑडिटर द्वारा प्रबंधन और शासन के प्रभारी लोगों के विभिन्न संचार शामिल हो सकते हैं।

3.4 ग्रीनली लिमिटेड यह सुनिश्चित करना चाहता है कि क्या वह ग्रीन फाउंडेशन के माध्यम से सीएसआर प्राप्त कर सकता है।

(a) यह ग्रीन फाउंडेशन के माध्यम से सीएसआर व्यय नहीं कर सकता है, क्योंकि यह सीएसआर गतिविधि शुरू करने के उद्देश्य से कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ पंजीकृत नहीं है।

(b) यह ग्रीन फाउंडेशन के माध्यम से सीएसआर व्यय वहन कर सकता है, क्योंकि फाउंडेशन आयकर अधिनियम की धारा 12ए और धारा 80जी के तहत पंजीकृत है।

(c) यह ग्रीन फाउंडेशन के माध्यम से सीएसआर व्यय कर सकता है, क्योंकि यह समान सीएसआर गतिविधियां चलाता है।

(d) यह ग्रीन फाउंडेशन के माध्यम से व्यय कर सकता है, क्योंकि यह 2019 से कुछ सीएसआर परियोजनाएं चला रहा है।

3.5 ऑडिट के समापन के दौरान, अपरा सोच रही थी कि क्या उसे पिछले ऑडिटर द्वारा इस्तीफे के तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है?

(a) हाँ, कंपनी (ऑडिटर रिपोर्ट) आदेश, 2020 के अनुसार अपरसंपाद एंड कंपनी को एबीसी एलएलपी के इस्तीफे की रिपोर्ट देनी चाहिए और बताना चाहिए कि क्या फर्म ने एबीसी एलएलपी द्वारा उठाए गए मुद्दों या आपत्तियों पर विचार किया है।

(b) संख्या चूंकि एबीसी एलएलपी का इस्तीफा व्यक्तिगत कारणों से है, इसलिए इसे ऑडिटर रिपोर्ट में रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है।

(c) हाँ, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3) के प्रावधानों के अनुसार, पिछले लेखा परीक्षक के इस्तीफे के तथ्य की सूचना दी जानी चाहिए।

(d) हाँ। पिछले ऑडिटर के इस्तीफे के तथ्य को कंपनी (ऑडिट और ऑडिटर) नियम, 2014 के अनुसार रिपोर्ट किया जाना चाहिए। (2 x 5 = 10 अंक)

वर्णनात्मक प्रश्न

3.6 आकस्मिक रिक्ति के मामले में वैधानिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया का वर्णन करें। अपरा अपने द्वारा जारी ऑडिट रिपोर्ट में एक एम्फेसिस ऑफ मैटर (ईओएम) पैराग्राफ

के माध्यम से वित्तीय विवरणों के पाठकों का ध्यान आकर्षित करना चाहती है, जिसमें मौजूदा ऑडिटर के इस्तीफे के कारण उनकी नियुक्ति के तथ्य का संकेत दिया गया है। उन परिस्थितियों की व्याख्या करें जिनमें एक ऑडिटर अपनी ऑडिट रिपोर्ट में एम्फेसिस ऑफ मैटर (ईओएम) पैराग्राफ को शामिल करने पर विचार कर सकता है।

(2 + 3 = 5 अंक)

3.7 संपाद ने अपरा के साथ चर्चा की और सोचा कि यदि ग्राहकों के पास मानक दस्तावेज हैं तो उन्हें उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के विवरण समझाना आसान और आसान होगा। एलआरएस के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए एक नोट का मसौदा तैयार करें।

(5 अंक)

3.8 रमणिक आपसे अनुरोध करते हैं:

(i) ग्रीनली लिमिटेड की वृद्धिशील लागत की गणना करें जिसे प्रति सूट न्यूनतम मूल्य उद्धृत करने के लिए आधार के रूप में लिया जा सकता है।

(ii) न्यूनतम उद्धरण बनाने के लिए विचार किए जाने वाले पहलुओं को इंगित करें।

(3 + 2 = 5 अंक)

केस स्टडी के उत्तर 3

भाग - A

3.1 (b)

3.2 (b)

3.3 (b)

3.4 (b)

3.5 (a)

प्रश्न संख्या 3.6 का उत्तर

आकस्मिक रिक्ति के मामले में सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139(8) के अनुसार, लेखा परीक्षक के कार्यालय में कोई भी आकस्मिक रिक्ति -

(i) किसी कंपनी के अलावा किसी अन्य कंपनी के मामले में, जिसके खाते भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षक द्वारा ऑडिट के अधीन हैं, 30 दिनों

के भीतर निदेशक मंडल द्वारा भरा जाना चाहिए। यदि ऐसी आकस्मिक रिक्ति किसी लेखा परीक्षक के इस्तीफे के परिणामस्वरूप हो, तो ऐसी नियुक्ति को बोर्ड की सिफारिश के तीन महीने के भीतर बुलाई गई आम सभा में कंपनी द्वारा अनुमोदित भी किया जाएगा और वह अगले वार्षिक आम सभा के समापन तक पद धारण करेगा।

- (ii) ऐसी कंपनी के मामले में जिसके खाते भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षक द्वारा ऑडिट के अधीन हैं, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा 30 दिनों के भीतर भरा जाना चाहिए। यह ध्यान दिया जा सकता है कि यदि भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक उक्त अवधि के भीतर रिक्ति नहीं भरते हैं, तो निदेशक मंडल अगले 30 दिनों के भीतर रिक्ति भर देगा।

विषय अनुच्छेद का महत्व - लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल एक अनुच्छेद जो वित्तीय विवरणों में उचित रूप से प्रस्तुत या प्रकट किए गए विषय को संदर्भित करता है, जो लेखा परीक्षक के निर्णय में इतना महत्वपूर्ण है कि यह वित्तीय विवरणों की उपयोगकर्ताओं की समझ के लिए मौलिक है।

ऐसी परिस्थितियाँ जिनमें एक ऑडिटर अपनी ऑडिट रिपोर्ट में विषय पर जोर (ईओएम) पैराग्राफ शामिल करने पर विचार कर सकता है: एसए 706 में कुछ परिस्थितियों में ऑडिटर की रिपोर्ट में मामले पर जोर देने वाले पैराग्राफ को शामिल करने के लिए ऑडिटर के लिए विशिष्ट आवश्यकताएं शामिल हैं।

इन परिस्थितियों में शामिल हैं:

- (i) जब कानून या विनियम द्वारा निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचा अस्वीकार्य होगा लेकिन इस तथ्य के लिए कि यह कानून या विनियम द्वारा निर्धारित किया गया है।
- (ii) उपयोगकर्ताओं को सचेत करने के लिए कि वित्तीय विवरण एक विशेष प्रयोजन ढांचे के अनुसार तैयार किए गए हैं।
- (iii) जब लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद लेखा परीक्षक को तथ्य ज्ञात हो जाते हैं और लेखा परीक्षक एक नई या संशोधित लेखा परीक्षक की रिपोर्ट (यानी, अनुवर्ती घटनाएं/प्रसंग) प्रदान करता है।
- (iv) असाधारण मुकदमेबाजी या नियामक कार्रवाई के भविष्य के परिणाम से संबंधित अनिश्चितता।
- (v) एक महत्वपूर्ण अनुवर्ती घटना जो वित्तीय विवरणों की तिथि और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि के बीच घटित होती है।

(vi) एक नए लेखा मानक के प्रारंभिक आवेदन (जहाँ अनुमति है) जिसका वित्तीय विवरणों पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

(vii) एक बड़ी आपदा जो इकाई की वित्तीय स्थिति पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, या जारी है।

उपरोक्त के मद्देनजर, अपारा द्वारा जारी की गई लेखापरीक्षा रिपोर्ट में एक महत्व की बात (ईओएम) पैराग्राफ के माध्यम से वित्तीय विवरणों के पाठकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए, मौजूदा लेखा परीक्षक के इस्तीफे के कारण उनकी नियुक्ति के तथ्य को इंगित करना, सही नहीं है।

प्रश्न संख्या 3.7 का उत्तर

उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाला नोट

उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999 का हिस्सा है, जो भारत से जावक प्रेषण के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करता है।

उदारीकृत प्रेषण योजना (LRS)

- यह नाबालिगों सहित सभी निवासी व्यक्तियों पर लागू होता है।
- यह प्रति वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) 250,000 अमेरिकी डॉलर तक स्वतंत्र रूप से भेजने की अनुमति देता है।
- यह किसी भी अनुमत चालू या पूंजी खाता लेनदेन या दोनों के संयोजन के लिए हो सकता है।
- यह विदेशी मुद्रा प्रबंधन (CAT) संशोधन नियम 2015, दिनांक 26 मई, 2015 की अनुसूची III के पैरा 1 में उल्लिखित उद्देश्यों के लिए विदेशी मुद्रा सुविधा शामिल है।
- प्रेषक के अवयस्क होने के मामले में, LRS घोषणा पत्र पर अवयस्क के प्राकृतिक अभिभावक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए। यह योजना कॉर्पोरेट्स, साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार, ट्रस्टों आदि के लिए उपलब्ध नहीं है।
- योजना के तहत धन प्रेषण को परिवार के सदस्यों के संबंध में समेकित किया जा सकता है, बशर्ते कि परिवार के सदस्य इसके नियमों और शर्तों का अनुपालन करते हों।

अपवाद: परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा पूंजी खाता लेनदेन जैसे बैंक खाता खोलना/निवेश/संपत्ति की खरीद के लिए क्लबिंग की अनुमति नहीं है, यदि वे विदेशी बैंक खाते/निवेश/संपत्ति के सह-स्वामी/सह-भागीदार नहीं हैं।

प्रश्न संख्या 3.8 का उत्तर

- (i) 'ग्रीनली लिमिटेड' 'रश ऑर्डर' के मूल्य निर्धारण के लिए वृद्धिशील लागत संख्याओं का उपयोग कर सकता है। कंपनी द्वारा न्यूनतम मूल्य `238.50 प्रति सूट (= ` 35,775/150) लिया जाएगा। यह कीमत सामान्य कीमत `625 से काफी कम है।

विवरण (ब्यौरा)	राशि (₹)
सफाई सामग्री (150 × `37)	5,550
श्रम (150 × 3 × 45% × ₹60 × 1.5)	18,225
परिवर्तनीय ओवरहेड्स (150 सूट × 80)	12,000
बढ़ती हुई लागत	35,775
प्रति सूट भाव	238.5

- (ii) न्यूनतम कीमत उद्धृत करने के लिए विचार किए जाने वाले पहलू

फर्मों को ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जहां उन्हें एक बार की विशेष पेशकश के अवसर का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में, ऑर्डर देने वाले उपक्रम की केवल वृद्धिशील लागत को ही ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन कीमतों पर उद्धरण किया जाना चाहिए जो वृद्धिशील लागतों से अधिक हों।

हालाँकि, निर्णय लेने में अन्य शर्तें समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, यदि यह एक बार का सौदा है और दोबारा कारोबार की कोई संभावना नहीं है, तो 'ग्रीनली लिमिटेड' सामान्य कीमत से अधिक प्रीमियम वसूल सकता है। दीर्घकालिक निहितार्थ भी मायने रखते हैं। भविष्य के व्यवसाय के लिए बोली लगाने हेतु "दरवाजे में पैर डालने" की संभावना कीमत को और नीचे की ओर धकेल देगी। इसलिए, 'ग्रीनली लिमिटेड' ऑर्डर स्वीकार करने से होने वाले अल्पकालिक लाभ और दीर्घकालिक परिणाम दोनों के आधार पर कीमत तय कर सकता है।

केस स्टडी - 4

वांटन टेरुन लिमिटेड (डब्ल्यूटीएल) एक तेजी से बढ़ती सूचीबद्ध कंपनी है जो कपड़ा और परिधान उद्योग में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करती है। कंपनी पिछले एक दशक में पंजाब (भारत) से 50 देशों में लाखों ग्राहकों के घरों तक पहुंच गई है और इसका लक्ष्य सबसे भरोसेमंद ब्रांड बनने का है जो अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और सभी हितधारकों की सचेत देखभाल करता है, और उनके साथ 'सबसे अच्छा' व्यवहार करता है। कंपनी की 5 सहायक कंपनियाँ भी हैं जो भारत के

बाहर कपड़ों के समान व्यवसाय और कुछ विशेष प्रकार के धागों के व्यापार में काम करती हैं। वित्तीय वर्ष 2022-2023 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण पहले ही तैयार किए जा चुके हैं और सभी नियामक आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट पूरा कर लिया गया है।

पिछले 15 वर्षों तक कंपनी डब्ल्यूटीएल के सीएफओ के रूप में अनुभव प्राप्त करने के बाद, तिरु ने इस्तीफा दे दिया है और उसी व्यवसाय क्षेत्र में कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ पेशेवर परामर्श में अपना उद्यम शुरू किया है। कंपनी प्रबंधन ने सीएफओ पद पर योग्य प्रोफेशनल की नियुक्ति के लिए सभी प्रमुख अखबारों में विज्ञापन दिया। कंपनी को पचास आवेदन प्राप्त हुए थे और सभी उम्मीदवार सक्षम थे और उन्हें वित्तीय रिपोर्टिंग, कॉर्पोरेट प्रशासन, एमआईएस रिपोर्टिंग, पूंजी बजटिंग, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर मामलों में अच्छा अनुभव था।

कंपनी प्रबंधन ने सीएफओ के पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करने के लिए साक्षात्कार बोर्ड आयोजित करने का निर्णय लिया। कंपनी के संचालन, लेखांकन और कंपनी अधिनियम, जीएसटी आदि के अन्य तकनीकी पहलुओं से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में हाल के विकास को देखने के बाद, निम्नलिखित मुद्दों (कंपनी के खातों की पुस्तकों के अनुसार) का चयन किया गया, जिस पर सभी की राय उम्मीदवारों की तलाश की गई और जो भी सही प्रतिक्रिया देगा उसे साक्षात्कार के अगले दौर के लिए चुना जाएगा। आप भी इस जॉब प्रोफाइल में रुचि रखते हैं और साक्षात्कार के दौरान आपसे निम्नलिखित मुद्दे पूछे गए हैं:

समस्या 1

कंपनी 50 देशों में काम कर रही है, इसलिए कंपनी के कर्मचारी परिचालन की देखरेख और व्यवसाय विस्तार के लिए दुनिया भर में यात्रा करते हैं। इस प्रयोजन के लिए, अधिकृत डीलरों (जो जीएसटी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों और लागू मूल्यांकन दिशानिर्देशों के अनुसार जीएसटी वसूलते हैं) से विदेशी मुद्रा ली जाती है और इसका उपयोग विदेशों में रहने, स्थानीय यात्रा और भोजन के खर्च सहित सभी विदेशी खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाता है। आगामी व्यावसायिक यात्रा के लिए, कर्मचारी संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करेंगे और उन्हें 10,000 अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। कंपनी ने 7.40 लाख रुपये का भुगतान करके विदेशी मुद्रा (9900 अमेरिकी डॉलर) खरीदी, हालांकि सीमा शुल्क विनिमय दर और उसी पर बैंक खरीद दर के कारण उसी तिथि पर डॉलर की समतुल्य संख्या के लिए क्रमशः 7.45 लाख और 7.50 लाख की राशि प्राप्त होगी।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन) की पिछली विदेशी यात्रा के दौरान, कंपनी को निर्दिष्ट प्रकार के कपड़ों के लिए ₹10 करोड़ का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ, जिसके लिए यार्न का आयात करना आवश्यक था। कंपनी ने कपड़ों के निर्माण के लिए जर्मनी से विशेष रतालू (₹ 6.50 करोड़ में) आयात किया और फिर कपड़ों का निर्माण किया गया और ₹ 10 करोड़ के सहमत मूल्य पर

भारत से बाहर निर्यात किया गया। कंपनी द्वारा निर्यात किए गए परिधान सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत शुल्क वापसी के लिए पात्र हैं। निर्यातित कपड़ों का बाजार मूल्य ₹11.70 करोड़ था और शुल्क वापसी दर 40% थी।

समस्या 2

विदेशी सहायक कंपनियों में से एक SSS निगमित ने WTL को वित्तीय सहायता प्रदान की है। उक्त वित्तीय सहायता कंपनी के खातों में विदेशी मुद्रा ऋण (एफसीएल) के रूप में बकाया है, जिस पर उसने पिछले वित्तीय वर्ष में 32 करोड़ रुपये का ब्याज दिया था। टीडीएस की राशि, जैसा लागू हो, काट ली गई है और नियत तारीख के भीतर जमा कर दी गई है। पिछले वर्ष उधारकर्ता का ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पहले लाभ ₹ 100 करोड़ था और मूल्यहास की राशि ₹ 15 करोड़ थी।

समस्या 3

कंपनी को कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का पालन करना होगा और इसके लिए, स्वतंत्र और एक योग्य ऑडिट समिति पहले से ही गठित और कार्य कर रही है। ऑडिट समिति में छह निदेशक (कॉर्पोरेट मामलों में व्यापक अनुभव रखने वाले) शामिल थे, जिनमें से चार स्वतंत्र निदेशक थे। निदेशकों में से एक पी (एक स्वतंत्र निदेशक) ने कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। डब्ल्यूटीएल ने क्यू को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा है जो पहले से ही एक कंपनी में प्रबंध निदेशक और तीन अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्यरत है। चालू वर्ष के दौरान, कंपनी ने बेहतर अधिकारों के साथ 10 लाख इक्विटी शेयर (₹100 लाख की राशि) जारी करके शेयर पूंजी बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है।

समस्या 4

अरुणिमा कंपनी की महिला निदेशक हैं। अपनी अन्य व्यस्तताओं के कारण, उन्होंने 15 फरवरी 2023 के अपने पत्र के माध्यम से 1 मार्च 2023 से निदेशक पद से अपना इस्तीफा दे दिया, जो कंपनी को 20 फरवरी 2023 को प्राप्त हुआ। बोर्ड ने 15 मार्च 2023 को हुई अपनी बैठक में इस्तीफे पर ध्यान दिया।

समस्या 5

एवर प्राइवेट लिमिटेड को डब्ल्यूटीएल द्वारा अधिग्रहित किया गया था और इसे भारतीय लेखा मानक 103 के अनुसार एक व्यावसायिक संयोजन के रूप में दर्ज किया गया था। हालाँकि, एवर प्राइवेट लिमिटेड में 4 साल के लिए निहित शर्त के साथ एक मौजूदा शेयर-आधारित योजना थी

जिसमें अधिग्रहण की तारीख पर 3 साल पहले ही समाप्त हो चुके थे। डब्ल्यूटीएल अधिग्रहीत इकाई के कर्मचारियों के लिए मौजूदा पुरस्कार को बदलने पर सहमत हुआ। अधिग्रहण तिथि पर शेयर-आधारित भुगतान योजना के तहत विकल्प का उचित मूल्य ₹1,200 था, जबकि मौजूदा योजना के स्थान पर विकल्प का उचित मूल्य ₹1,500 था। साथ ही, अधिग्रहण के बाद निहितार्थ के लिए केवल एक वर्ष और बचा था।

बहुविकल्पीय प्रश्न: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प प्रदान करें:

4.1 अधिकृत डीलर से विदेशी मुद्रा की खरीद के संबंध में, क्या जीएसटी लागू होगा और यदि हां, तो उन सेवाओं का मूल्य क्या होगा जिन पर नियम 32(2)(ए) के तहत जीएसटी लगाया जाएगा? साथ ही 18% की दर से कर की दर मानकर जीएसटी राशि की गणना करें।

(a) इन सेवाओं पर जीएसटी लागू होगा और सेवाओं का मूल्य ₹7,450 होगा। जीएसटी राशि ₹1,341 होगी

(b) इन सेवाओं पर जीएसटी लागू होगा और सेवाओं का मूल्य ₹7,400 होगा। जीएसटी राशि ₹1,332 होगी

(c) इन सेवाओं पर जीएसटी लागू होगा और सेवाओं का मूल्य ₹5,200 होगा। जीएसटी राशि ₹936 होगी

(d) 10,000 अमेरिकी डॉलर से कम के लेनदेन पर जीएसटी से विशेष रूप से छूट दी गई है, इसलिए जीएसटी लागू नहीं होगा।

4.2. उपरोक्त अंक 2 में दिए गए तथ्यों के संबंध में, आयकर अधिनियम, 1961 के फॉर्म 3सीडी के तहत कर लेखा परीक्षक द्वारा रिपोर्ट किया जाने वाला ब्याज होगा:

(a) खंड 30बी के तहत ₹30 करोड़ और ₹ 2 करोड़

(b) धारा 30बी के तहत 32 करोड़ और 2 करोड़

(c) धारा 30ए के तहत 32 करोड़ और 34.50 करोड़

(d) खंड 30ए के तहत 32 करोड़

4.3. अंक 3 में वर्णित परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में, कंपनी सचिव का तर्क है कि ऑडिट समिति का पुनर्गठन किया जाना चाहिए, भले ही क्यू को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया हो। क्या कंपनी सचिव का तर्क उचित है?

- (a) कंपनी सचिव का तर्क सही है और ऑडिट समिति का पुनर्गठन किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें अधिकांश सदस्य स्वतंत्र निदेशक के रूप में होने चाहिए।
- (b) कंपनी सचिव का तर्क सही नहीं है और मौजूदा ऑडिट समिति जारी रह सकती है क्योंकि स्वतंत्र निदेशक ऑडिट समिति के निदेशकों की कुल संख्या के दो तिहाई से अधिक हैं।
- (c) कंपनी सचिव का तर्क सही है और ऑडिट समिति का पुनर्गठन किया जाएगा, क्योंकि इसमें केवल स्वतंत्र निदेशक ही सदस्य होने चाहिए।
- (d) कंपनी सचिव का तर्क सही नहीं है और सदस्यों में बदलाव के कारण ऑडिट समिति को पुनर्गठित करने की आवश्यकता नहीं है।

4.4 डब्ल्यूटीएल निम्नलिखित को या उससे पहले कंपनी के बोर्ड में एक अन्य महिला निदेशक की नियुक्ति करेगी:

- (a) 1 जून 2023
- (b) 20 मई 2023
- (c) 15 जून 2023
- (d) 15 मई 2023

4.5 आपकी राय में, नियम 9 के तहत दिशानिर्देशों के अनुसार ड्रॉबैंक की राशि की ऊपरी सीमा क्या होगी?

- (a) ₹ 4.00 करोड़
- (b) ₹ 4.68 करोड़
- (c) ₹ 3.90 करोड़
- (d) ₹ 3.33 करोड़

(2 x 5 = 10 अंक)

विवरणात्मक प्रश्न

4.6 श्री क्यू ने निदेशक के रूप में नियुक्ति स्वीकार करने से पहले कंपनी के साथ अपनी नियुक्ति और परिलब्धियों पर जीएसटी के प्रभाव के बारे में चर्चा की। स्पष्ट करें कि क्या निदेशकों द्वारा प्रदान की गई सेवाएँ वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के दायरे में हैं।

(5 अंक)

4.7 अंक 5 में बताए गए तथ्यों की पृष्ठभूमि में, भारतीय लेखा मानक 102 के अनुसार शेयर आधारित भुगतान के तहत विकल्प के मूल्य की गणना करें। (4 अंक)

4.8 यदि आपको कंपनी के सीएफओ के रूप में नियुक्त किया जाता है:

(i) वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के क्षेत्रों को इंगित करें जिन्हें आपके द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

(ii) उन पहलुओं का उल्लेख करें जिन्हें आप कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ-साथ निदेशक मंडल को प्रमाणित करेंगे। (3 + 3 = 6 अंक)

केस स्टडी के उत्तर - 4

भाग - A

4.1 (b)

4.2 (b)

4.3 (c)

4.4 (a)

4.5 (c)

प्रश्न संख्या 4.6 का उत्तर

स्वतंत्र निदेशकों, जो उक्त कंपनी के कर्मचारी नहीं हैं, द्वारा ऐसी कंपनी को उक्त सेवाओं के लिए पारिश्रमिक के रूप में प्रदान की गई सेवाएं स्पष्ट रूप से सीजीएसटी अधिनियम की अनुसूची III के दायरे से बाहर हैं और इसलिए कर योग्य हैं।

सीजीएसटी अधिनियम की अनुसूची III के अनुसार, किसी कर्मचारी द्वारा अपने रोजगार के दौरान या उसके संबंध में नियोक्ता को दी गई सेवाएं गैर-आपूर्ति हैं, यानी वे न तो माल की आपूर्ति हैं और न ही सेवाओं की आपूर्ति हैं।

इसके अलावा, किसी कंपनी के निदेशक द्वारा कर योग्य क्षेत्र में स्थित उक्त कंपनी को आपूर्ति की गई सेवाओं पर कर प्राप्तकर्ता द्वारा रिवर्स चार्ज के तहत देय होता है।

इस प्रकार, डब्ल्यूटीएल के एक स्वतंत्र निदेशक होने के नाते श्री क्यू द्वारा प्रदान की गई सेवाएं, रिवर्स चार्ज के तहत कर योग्य हैं और श्री क्यू को देय परिलब्धियों पर कर कंपनी (डब्ल्यूटीएल) द्वारा रिवर्स चार्ज के आधार पर देय है।

प्रश्न संख्या 4.7 का उत्तर

शेयर आधारित भुगतान के तहत विकल्प के मूल्य की गणना

पूर्व-अधिग्रहण अवधि	3
अधिग्रहण के बाद की अवधि	1
अधिग्रहण तिथि पर कुल उचित मूल्य	₹ 1,200
Ind AS 103 के तहत व्यापार संयोजन के अनुसार दर्ज किया जाने वाला मूल्य	$\text{₹}1,200/4 \times 3 = \text{₹}900$
भारतीय लेखा मानक 102 के अनुसार दर्ज किया जाने वाला मूल्य (A)	$\text{₹}1,200/4 \times 1 = \text{₹}300$
ऐसे पुरस्कार के प्रतिस्थापन का उचित मूल्य	₹ 1,500
अधिग्रहण तिथि से अंतर उचित मूल्य (B)	$\text{₹}1,500 - \text{₹}1,200 = \text{₹}300$
निहित अवधि के दौरान हिसाब में लिया जाने वाला कुल मूल्य	$\text{₹}300 + \text{₹}300 = \text{₹}600$
$= A + B$	

वैकल्पिक उत्तर

पूर्व-अधिग्रहण अवधि	3
अधिग्रहण के बाद की अवधि	1
अधिग्रहण तिथि पर कुल उचित मूल्य	₹ 1,200
व्यवसाय संयोजन के अनुसार मूल्य दर्ज किया जाना चाहिए	$\text{₹}1,200/4 \times 3 = \text{₹}900$

चूंकि अधिग्रहण के समय नए पुरस्कार का उचित मूल्य ₹1,500 है, शेष ₹1500 - ₹900 यानी ₹600 को कर्मचारी व्यय के रूप में पुस्तकों में दर्ज किया जाएगा।

प्रश्न संख्या 4.8 का उत्तर

- (i) वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के क्षेत्र अनुसूची II का भाग बी स्पष्ट रूप से बताता है कि सीईओ और सीएफओ को सौंपी गई जिम्मेदारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के संबंध में है। अनुपालन प्रमाणपत्र में यह दावा करना होगा कि उन्होंने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित सूचीबद्ध इकाई की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है।

अनुपालन प्रमाणपत्र आगे यह बताएगा कि ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के डिज़ाइन या संचालन में कमियों (यदि कोई हो) का लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को खुलासा किया गया है।

अनुपालन प्रमाणपत्र में यह भी बताया जाएगा कि वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के डिज़ाइन या संचालन में इन कमियों को दूर करने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है।

(ii) कंपनी के सीईओ के साथ निदेशक मंडल को प्रमाणित करने के पहलू

मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य वित्तीय अधिकारी बोर्ड को प्रमाणित करेंगे कि:

- (a) उन्होंने वर्ष के लिए वित्तीय विवरण और नकदी प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और यह उनके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार है:
 - (i) इन बयानों में कोई भी वास्तविक रूप से असत्य बयान शामिल नहीं है या किसी भी महत्वपूर्ण तथ्य को छोड़ दिया गया है या ऐसे बयान शामिल हैं जो भ्रामक हो सकते हैं;
 - (ii) ये विवरण मिलकर सूचीबद्ध इकाई के मामलों का एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और मौजूदा लेखांकन मानकों, लागू कानूनों और विनियमों के अनुपालन में हैं।
- (b) उनके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, वर्ष के दौरान सूचीबद्ध इकाई द्वारा कोई भी लेनदेन नहीं किया गया है जो धोखाधड़ी, अवैध या सूचीबद्ध इकाई की आचार संहिता का उल्लंघन है।
- (c) वे वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने की ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हैं और उन्होंने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित सूचीबद्ध इकाई की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और उन्होंने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को कमियों का खुलासा किया है। आंतरिक नियंत्रणों का डिज़ाइन या संचालन, यदि कोई हो, जिसके बारे में वे जानते हैं और इन कमियों को दूर करने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है।
- (c) उन्होंने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को संकेत दिया है:
 - (i) वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन;
 - (ii) वर्ष के दौरान लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन और वित्तीय विवरणों के

नोट्स में इसका खुलासा किया गया है; और

- (iii) महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के उदाहरण जिनके बारे में उन्हें जानकारी हो गई है और इसमें वित्तीय रिपोर्टिंग पर सूचीबद्ध इकाई की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या किसी कर्मचारी की भागीदारी, यदि कोई हो, शामिल है।

केस स्टडी - 5

बीएसपी एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक फर्म है, जिसके कार्यालय दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में हैं। वे जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट कानून परामर्श के क्षेत्र में परामर्श प्रदान करते हैं। एबीसी प्राइवेट लिमिटेड एक गतिशील और पेशेवर वित्त टीम के साथ फर्म के प्रमुख ग्राहकों में से एक है। बीएसपी एंड कंपनी के साझेदार टैन एंड कैन ने एबीसी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक (वित्त) जे और उनकी टीम के साथ नियमित बैठकें कीं। एक बैठक के दौरान, ऐसा लगा कि जे के पास टैन एंड कान के साथ चर्चा के लिए कुछ मुद्दे थे। ऑडिट टीम में नए सदस्यों को देखने के बाद, जय ने उन्हें समझने के लिए कंपनी और उसके संचालन के बारे में एक संक्षिप्त सिंहावलोकन दिया। उन्होंने बताया कि कंपनी एयर कंडीशनर (एसी), रेफ्रिजरेटर और अन्य उत्पादों का निर्माण और आपूर्ति करती है।

उन्होंने निम्नलिखित बिंदुओं को समझाया:

- (A) कंपनी अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही है और ₹250 लाख के अनुमानित बजट के साथ एक नई इकाई स्थापित कर रही है। इस व्यय का विवरण इस प्रकार है:

सिविल निर्माण ₹120 लाख (जीएसटी को छोड़कर)

प्लांट और मशीनरी ₹130 लाख (जीएसटी को छोड़कर)

सिविल निर्माण में प्लांट और मशीनरी, फैक्ट्री शेड आदि की स्थापना के लिए नींव का निर्माण शामिल है, नींव के निर्माण की लागत कुल निर्माण लागत में ₹20 लाख शामिल है। सिविल निर्माण और प्लांट और मशीनरी दोनों के लिए सीजीएसटी और एसजीएसटी 9% यानी कुल मिलाकर 18% है। व्यय का विवरण इस प्रकार है:

तारीख	विस्तार	राशि `लाख
1 अप्रैल, 2021	प्लांट एवं मशीनरी के लिए अग्रिम दिया गया	40
15 अप्रैल, 2021	सिविल निर्माण के लिए ठेकेदार को अग्रिम निर्माण का कार्य शुरू	10
30 अप्रैल, 2021	सिविल निर्माण कार्य व्यय	25

31 जुलाई 2021	सिविल निर्माण कार्य व्यय	25
1 अक्टूबर, 2021	प्लांट और मशीनरी के आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान किया गया और डिलीवरी प्राप्त हुई	90
31 दिसंबर 2021	निर्माण कार्य व्यय	20
31 मार्च 2022	अंतिम भुगतान किया गया (बकाया जीएसटी सहित)	40

- (B) वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बोर्ड की एक बैठक में, प्रबंधन ने कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार अन्य कंपनियों के इक्विटी शेयरों में निवेश के लिए बोर्ड से मंजूरी मांगी। बोर्ड ने उचित विचार-विमर्श के बाद प्रबंधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी ने 1 जनवरी 2022 को ₹20 प्रति शेयर की कीमत पर मिलान लिमिटेड के 10,000 शेयर खरीदे। मिलान लिमिटेड ने बोनस जारी करने की रिकॉर्ड तिथि के रूप में 31 मार्च 2022 को रखे गए प्रत्येक 2 शेयरों पर एक शेयर के बोनस की घोषणा की। कंपनी ने 1 जनवरी 2022 को खरीदे गए 10,000 शेयर 31 अगस्त 2022 को 15 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बेचे।
- (C) कंपनी एसी के निर्माण और आपूर्ति के अलावा इसकी स्थापना भी करती है। इसे 15 फरवरी 2023 को हरियाणा में अपने कारखाने में स्थापना के लिए बवाना लिमिटेड को 5 स्प्लिट एयर कंडीशनर की आपूर्ति के लिए 5 लाख रुपये की अग्रिम राशि प्राप्त हुई थी। कंपनी ने 28 फरवरी 2023 को एसी की आपूर्ति की और उन्हें स्थापित किया और उसी तारीख यानी 28 फरवरी 2023 को चालान जारी किया। आपूर्ति पर 18% की दर से कर लगाया जाना था, लेकिन 25 फरवरी 2023 से इसे घटाकर 12% कर दिया गया। कंपनी ने 18% की दर से जीएसटी लगाया, जबकि खरीदार बवाना लिमिटेड ने तर्क दिया कि जीएसटी 12% की दर से लिया जाना चाहिए था क्योंकि आपूर्ति दर में बदलाव के बाद की गई थी।
- (D) कंपनी ने अनुबंध के आधार पर मानव-शक्ति की आपूर्ति के लिए हमलाँग प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया था। यह समझौता 8 साल से अधिक समय से अस्तित्व में था और दोनों पक्ष हर दो साल में समझौते का नवीनीकरण करते थे। हालाँकि, कंपनी ने देखा कि प्रदान की गई सेवाएँ मानक के अनुरूप नहीं थीं। हालाँकि इस महीने समझौते का नवीनीकरण होना था, लेकिन कंपनी ने मानव-शक्ति की गुणवत्ता से संबंधित विवाद उठाया और मध्यस्थता खंड लागू करने की योजना बना रही थी।
- (E) वित्तीय वर्ष 2018-2019 के दौरान, कंपनी ने 5 करोड़ मूल्य के इक्विटी शेयर वापस खरीदे, जिसके परिणामस्वरूप भुगतान की गई शेयर पूंजी और मुक्त भंडार के संयुक्त बकाया में 5% की कमी आई। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान 3:2 के अनुपात में

बोनस शेयर जारी किए गए। प्रतिभूति प्रीमियम खाते में पड़ी राशि का उपयोग करके बोनस शेयर जारी किए गए थे। कंपनी की दोनों कार्रवाई कंपनी अधिनियम के तहत निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार थी। टैन और कान ने इस तथ्य का समर्थन किया और यह भी कहा कि वित्तीय विवरणों में उचित खुलासे किए गए थे।

- (F) जय को यह बताते हुए खुशी हुई कि कंपनी का परिचालन सुचारू रूप से चल रहा था और वे विकास पथ पर थे। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी का टर्नओवर ₹ 100 करोड़ था और बैंक का ₹ 75 करोड़ का ऋण बकाया था और ₹ 30 करोड़ की जमा राशि थी।
- (G) ऑडिट चर्चा समाप्त होने के बाद, जय और कान ने एक सामान्य चर्चा की। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कंपनी के एक शेयरधारक और गैर कार्यकारी निदेशक शाही वर्तमान संसद सदस्य बन गए हैं। उनका बेटा अभीर विदेश में अमेरिका में पढ़ाई कर रहा है। चूँकि संसद का वर्तमान कार्यकाल अगले वर्ष समाप्त हो रहा है और उनका कार्यकाल भी समाप्त हो जायेगा। शाही अगला चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ने के इच्छुक हैं। अमेरिका में उनके कई दोस्त और रिश्तेदार हैं और उन्होंने अपने चुनाव के लिए फंड इकट्ठा करने के लिए अपने बेटे से उनसे संपर्क करने को कहा था। जय ने यह भी बताया कि शाही के दोस्त रंगा, जो परिवहन, जहाजरानी और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के लिए काम करने वाला एक ठेकेदार है, वह भी सरकारी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में शाही के साथ अमेरिकी यात्रा पर गया था।
- (H) जय ने टैन और कान से पूछा कि क्या वे उसके दोस्त मेरुन, पार्टनर माहिम एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की मदद कर सकते हैं। जय और मेरुन घनिष्ठ मित्र थे और उनके बीच अक्सर व्यावसायिक और शैक्षणिक चर्चाएँ होती रहती थीं। यदि मेरुन के पास कोई तकनीकी प्रश्न हो तो टैन और कान खुशी-खुशी उसे स्पष्टीकरण देने के लिए सहमत हो गए। जय ने मेरुन और उनके बीच एक ज़ूम कॉल स्थापित की। कॉल के दौरान, मेरुन ने कहा कि अगर कोई अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट उन वित्तीय विवरणों और ऑडिट रिपोर्टों की समीक्षा करेगा जिन पर वह हस्ताक्षर कर रहा है, तो वह अधिक सहज और आश्वस्त होंगे।

बहुविकल्पीय प्रश्न: निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प प्रदान करें:

5.1 क्या एबीसी प्राइवेट लिमिटेड को कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुपालन के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान एक आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करना आवश्यक है?

- (a) कंपनी को आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करना आवश्यक है क्योंकि आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति की एक सीमा कंपनी द्वारा पूरी की जाती है।

- (b) एक निजी कंपनी होने के कारण कंपनी को आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।
- (c) कंपनी को आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति बोर्ड के निर्णय का मामला है।
- (d) कंपनी को आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अधिनियम के तहत निर्धारित सीमाएँ पूरी नहीं हुई हैं।

5.2 कंपनी शेयरों की बिक्री पर होने वाले नुकसान को इस प्रकार मानेगी:

- (a) 10,000 शेयरों की बिक्री पर ₹50,000 की हानि का दावा हानि के रूप में किया जाएगा।
- (b) ₹1,666.67 का लाभ होगा क्योंकि शेयरों की लागत कुल 15,000 शेयरों में फैली होगी।
- (c) कंपनी ₹50,000 के नुकसान का दावा नहीं कर सकती। हालाँकि, ₹ 50,000 का यह नुकसान बोनस के रूप में प्राप्त शेष 5000 शेयरों के अधिग्रहण की लागत बन जाएगा।
- (d) ₹50,000 की हानि का दावा हानि के रूप में नहीं किया जा सकता है और बोनस शेयरों के अधिग्रहण की लागत 'शून्य' होगी।

5.3 ऊपर दिए गए तथ्यों की पृष्ठभूमि में, एबीसी प्राइवेट लिमिटेड इनपुट टैक्स (आईटीसी) के लिए कितनी राशि का क्रेडिट लेने का हकदार है?

- (a) ₹ 45 लाख
- (b) ₹ 27 लाख
- (c) ₹ 23.40 लाख
- (d) ₹ 21.60 लाख

5.4 एबीसी प्राइवेट लिमिटेड को सलाह दें कि केस स्टडी में दिए गए तथ्यों में कानून की सही स्थिति क्या है:

- (a) चूंकि भुगतान कर की दर में बदलाव से पहले प्राप्त किया गया था, पुरानी दर लागू होगी।

- (b) चूंकि आपूर्ति और चालान जारी करने का प्रावधान कर की दर में बदलाव के बाद है, और दर में बदलाव से पहले केवल भुगतान प्राप्त हुआ है, नई दर लागू होगी।
- (c) चूंकि आपूर्ति का समय भुगतान प्राप्त होने की तारीख और चालान जारी करने की तारीख से पहले होगा, पुरानी दर लागू होगी।
- (d) चूंकि सेवा का प्रावधान कर की दर में बदलाव के बाद है, नई दर लागू होगी। चालान की तारीख प्रासंगिक नहीं है।

5.5 क्या वित्तीय वर्ष 2022-2023 के वित्तीय विवरणों में बायबैंक और बोनस शेयरों के लेनदेन की रिपोर्ट करना आवश्यक है?

- (a) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलनात्मक जानकारी प्रस्तुत की जानी चाहिए और उक्त लेनदेन पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित नहीं हैं, इसलिए किसी रिपोर्टिंग की आवश्यकता नहीं है।
- (b) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार, केवल पिछले तीन वित्तीय वर्षों में पूर्ण किए गए बायबैंक लेनदेन की रिपोर्ट करना आवश्यक है।
- (c) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार, केवल पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान जारी किए गए बोनस शेयरों के लेनदेन की रिपोर्ट करना आवश्यक है।
- (d) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान जारी किए गए बोनस शेयर और वापस खरीदे गए शेयर दोनों की सूचना दी जानी चाहिए।

(2 x 5 = 10 अंक)

वर्णनात्मक प्रश्न

5.6 उन परिस्थितियों की व्याख्या करें जिनके कारण मध्यस्थता समझौता समाप्त किया जा सकता है। क्या कंपनी हमलोग प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मध्यस्थता धारा लागू करने में सफल होगी?

(3 + 2 = 5 अंक)

5.7 जय को लगता है कि शाही के लिए इस तरह से चुनाव के लिए फंड मांगना उचित नहीं है। विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 के संदर्भ में बताएं कि किन लोगों को विदेशी स्रोत से कोई अंशदान लेने से प्रतिबंधित किया गया है।

(5 अंक)

5.8 टैन और कान के साथ मेरुन की चर्चा की पृष्ठभूमि में, निम्नलिखित का उत्तर दें:

- (i) क्या मेरुन द्वारा हस्ताक्षरित वित्तीय विवरण और ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा किसी अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की जा सकती है? यदि हां, तो गुणवत्ता नियंत्रण

ऑडिटिंग, समीक्षा, अन्य आश्वासन और संबंधित सेवाओं पर मानक के संदर्भ में ऐसी समीक्षा कौन कर सकता है।

- (ii) यदि मेरुन की फर्म को ऐसी नीति स्थापित करने की आवश्यकता है, तो समीक्षा नीति और प्रक्रियाओं की सामग्री क्या होनी चाहिए? (2 + 3 = 5 अंक)

केस स्टडी के उत्तर 5

भाग - A

5.1 (d)

5.2 (c)

5.3 (b)

5.4 (b)

5.5 (d)

प्रश्न संख्या 5.6 का उत्तर

निम्नलिखित परिस्थितियाँ हैं जिनमें एक मध्यस्थता समझौते को समाप्त किया जा सकता है:

जिस तरह से पक्ष मध्यस्थता समझौते में प्रवेश करते हैं, वे भी मध्यस्थता समझौते को समाप्त कर सकते हैं।

इस प्रकार, एक मध्यस्थता समझौते को समाप्त किया जा सकता है:

1. **आपसी सहमति :** किसी भी अनुबंध की तरह, इसमें शामिल पक्ष संयुक्त रूप से किसी विशेष मध्यस्थता समझौते को समाप्त करने के लिए सहमत हो सकते हैं।
2. **मुख्य अनुबंध की समाप्ति:** यदि मूल अनुबंध को डिस्चार्ज या नोवेशन के माध्यम से समाप्त किया जाता है, तो मध्यस्थता समझौता अनुबंध के साथ समाप्त हो जाता है। हालाँकि, अगर मूल अनुबंध का उल्लंघन किया जाता है, तो अलगाव के सिद्धांत के संचालन के कारण मध्यस्थता समझौता जीवित रहता है।
3. **पार्टियों की मृत्यु:** भारतीय कानून के तहत, किसी भी पक्ष की मृत्यु से एक मध्यस्थता समझौते का निर्वहन नहीं किया जाता है।

यह मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों द्वारा या उनके विरुद्ध प्रवर्तनीय होगा।

4. **कानून का संचालन:** एक मध्यस्थता समझौते को कानून के संचालन से समाप्त किया जा सकता है जिसके आधार पर कार्रवाई के किसी भी अधिकार को समाप्त कर दिया जाता है।

हां, कंपनी अनुबंध के आधार पर मानव-शक्ति की आपूर्ति के लिए मुख्य अनुबंध की समाप्ति के आधार पर हमलोग प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मध्यस्थता खंड लागू करने में सफल होगी।

प्रश्न संख्या 5.7 का उत्तर

विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए), 2010 की धारा 3 के अनुसार, विदेशी अंशदान स्वीकार करने पर कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं।

निम्नलिखित व्यक्तियों की श्रेणियां हैं जिन पर प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से विदेशी योगदान स्वीकार करने पर प्रतिबंध लगाया गया है:

- (1) निम्न के द्वारा कोई भी विदेशी योगदान स्वीकार नहीं किया जाएगा :
 - (a) चुनाव के लिए उम्मीदवार;
 - (b) एक पंजीकृत समाचार पत्र के संवाददाता, समीक्षक, कार्टूनिस्ट, संपादक, मालिक, प्रिंटर या प्रकाशक;
 - (c) लोक सेवक, न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी या सरकार के नियंत्रण या स्वामित्व वाली किसी भी निगम या किसी अन्य निकाय के कर्मचारी;
 - (d) किसी भी विधानमंडल के सदस्य;
 - (e) राजनीतिक दल या उसके पदाधिकारी;
 - (f) एक राजनीतिक प्रकृति का संगठन जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा धारा 5(1) के तहत निर्दिष्ट किया जा सकता है;
 - (g) जन संचार के किसी भी माध्यम से ऑडियो समाचार या ऑडियो विजुअल समाचार या समसामयिक मामलों के कार्यक्रमों के उत्पादन या प्रसारण में लगी संस्था या कंपनी
 - (h) संवाददाता या समीक्षक, कार्टूनिस्ट, संपादक, संस्था या कंपनी के मालिक को खंड (g) में संदर्भित किया गया है।
- (2) अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा विदेशी योगदान स्वीकार करने पर भी रोक लगाता है:
 - (a) व्यक्ति, भारत में निवासी और भारत के बाहर निवासी भारत का नागरिक - किसी भी राजनीतिक दल, या ऊपर (1) में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति, या दोनों की ओर से

किसी भी विदेशी योगदान को स्वीकार नहीं करेगा, या किसी विदेशी स्रोत से कोई मुद्रा प्राप्त करने या प्राप्त करने के लिए सहमत नहीं होगा।

- (b) व्यक्ति, भारत में निवासी - किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी, किसी भी विदेशी स्रोत से स्वीकार की गई किसी भी मुद्रा को वितरित नहीं करेगा, यदि वह जानता है या उसके पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि ऐसा अन्य व्यक्ति किसी राजनीतिक दल या ऊपर (1) में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति, या दोनों को ऐसी मुद्रा देने का इरादा रखता है या देने की संभावना है।
- (c) भारत के बाहर निवासी भारत का नागरिक - कोई भी मुद्रा, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी, जिसे किसी विदेशी स्रोत से स्वीकार किया गया है, निम्न को वितरित नहीं करेगा-
 - (i) कोई राजनीतिक दल या ऊपर (1) में उल्लिखित कोई व्यक्ति, या दोनों; या
 - (ii) कोई अन्य व्यक्ति, यदि वह जानता है या उसके पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि ऐसा अन्य व्यक्ति किसी राजनीतिक दल या ऊपर (1) संदर्भित किसी व्यक्ति, या दोनों को ऐसी मुद्रा देने का इरादा रखता है, या देने की संभावना है।

दिए गए केस स्टडी में, शाही, जो संसद सदस्य हैं और एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अगला चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। वह अपने चुनाव के लिए फंड मांग रहे हैं। उन्होंने अपने बेटे अभीर को धन इकट्ठा करने के लिए अमेरिका में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से संपर्क करने के लिए कहा।

विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 की धारा 3(1)(ए) के अनुसार यह प्रावधान है कि चुनाव के लिए किसी भी उम्मीदवार द्वारा कोई विदेशी योगदान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इसलिए, जय सही थे कि शाही के लिए इस तरह से चुनाव के लिए धन मांगना उचित नहीं है।

प्रश्न संख्या 5.8 का उत्तर

- (i) एसक्यूसी 1 के अनुसार, कुछ एकमात्र व्यवसायी या छोटी कंपनियां सहभागिता गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा की सुविधा के लिए अन्य फर्मों का उपयोग करना चाह सकती हैं। तदनुसार, मेरुन द्वारा हस्ताक्षरित वित्तीय विवरण और ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा किसी अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की जा सकती है।

फर्म की नीतियों और प्रक्रियाओं को एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षकों की नियुक्ति को संबोधित करना चाहिए और इसके माध्यम से उनकी पात्रता स्थापित करनी चाहिए:

- (a) आवश्यक अनुभव और अधिकार सहित भूमिका निभाने के लिए आवश्यक तकनीकी योग्यताएं; तथा
- (b) समीक्षक की निष्पक्षता से समझौता किए बिना एंगेजमेंट पर एक एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षक से किस हद तक सलाह ली जा सकती है।

(ii) एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा:

फर्म को उचित जुड़ाव के लिए आवश्यक नीतियों और प्रक्रियाओं को स्थापित करना चाहिए, एक एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा जो एंगेजमेंट टीम द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निर्णयों और रिपोर्ट तैयार करने में प्राप्त निष्कर्षों का एक उद्देश्य मूल्यांकन प्रदान करती है। ऐसी नीतियों और प्रक्रियाओं को चाहिए:

- (a) सूचीबद्ध संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के सभी लेखा परीक्षा के लिए एक एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा की आवश्यकता है;
- (b) मानदंड निर्धारित करें जिसके खिलाफ अन्य सभी लेखा परीक्षा और ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी की समीक्षा, और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवाओं के जुड़ाव का मूल्यांकन यह निर्धारित करने के लिए किया जाना चाहिए कि क्या एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा की जानी चाहिए; तथा
- (c) उप-अनुच्छेद (b) के अनुपालन में स्थापित मानदंडों को पूरा करने वाली सभी एंगेजमेंट के लिए एक एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा की आवश्यकता होती है।

फर्म की नीतियों और प्रक्रियाओं के लिए रिपोर्ट जारी होने से पहले सगाई गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा को पूरा करना आवश्यक होना चाहिए।

फर्म को नीतियों और प्रक्रियाओं को स्थापित करना चाहिए:

- (a) एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा की प्रकृति, समय और सीमा;
- (b) एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षकों की पात्रता के लिए मानदंड; तथा
- (c) एंगेजमेंट गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा के लिए दस्तावेजीकरण आवश्यकताएँ।